राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण शुक्रवार,17 जुलाई2020 वर्ष–3, अंक –171 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार में लॉकडाउन- 5 शुरू, जानें गाइनलाइन्स ताकि आपको न हो कोई दिक्कत

पटना। बिहार में गुरुवार से दोबारा लॉकडाउन है। राज्य सरकार ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए कई पाबंदियां लगाई हैं। धार्मिक स्थल भी बंद रहेंगे। भीड़भाड़ वाले तमाम आयोजनों पर पूरे महीने रोक रहेगी। बाजार से लेकर पार्क तक नहीं खुलेंगे। बस सेवाओं को भी बंद कर दिया गया है। सिर्फ जरूरी काम से ही लोग आ जा सकते हैं। लॉकडाउन का पालन सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस ने भी कमर कस ली है। बिहार में 16 से 31 जुलाई तक लॉकडाउन लगाया गया है। राज्य, जिला, अनुमंडल और ब्लॉक मुख्यालय के अलावा सभी नगर निकायों में यह प्रभावी है। लॉकडाउन - 5 के दौरान धार्मिक स्थलों और पार्कों को पूरी तरह बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, मनोरंजन और खेल-कूद समेत तमाम भीड़भाड़ वाले आयोजन नहीं होंगे। बाजार और मॉल भी नहीं खुलेंगे। लॉकडाउन के दौरान सिर्फ राशन, दूध, सब्जी और फल के साथ मीट-मांस की दुकानों को खोलने की अनुमति दी गई है। व्यवसायिक प्रष्ठिठान और निजी संस्थानों को भी बंद रखा गया है। राज्य में कहीं भी बसों के परिचालन नहीं होगा। निजी गाड़ियों का इस्तेमाल वही लोग कर सकते हैं जो आवश्यक सेवाओं से जुड़े हैं और लॉकडाउन में उन्हें छूट दी गई है। इससे इतर निजी गाड़ियों का परिचालन नहीं हो सकता है।

सेवाएं जो जारी रहेंगी

- टैक्टी और ऑटो स्थानीय स्तर चलेंगे
- क्लिनिक, अस्पताल, दवा दुकान व जांच घर खुले रहेंगे
- ई- कॉमर्स, बैंक, बीमा संस्थान, केबल, दूरसंचारव व आईटी सेवाएं को भी छूट
- राशन, दूध, सब्जी, फल, मीट-मांस और पशुचारा की दुकानें खुली रहेंगी
- होटल-रेस्टूरेंट खुलेंगे, औद्योगिक और निर्माण गतिविधियां पहले की तरह चलेंगी
- निर्माण कार्य और कृषि से जुड़ी दुकानें भी खुलेंगी

राजधानी पटना के 114 इलाकों में नहीं चलेंगे ऑटो रिक्शा

पटना के 114 इलाकों में नहीं चलेंगे ऑटो रिक्शा डीएम ने लगाई रोक इलाकों की सूची जारी कर डीएम ने मजिस्ट्रेट को परिचालन नहीं होने देने का निर्देश दिया है साथ ही कहा है कि इन इलाकों में ऑटो रिक्शा जो चला रहे हैं उसे जप्त कर लिया जाए

राज्य के मंदिरों में 31 तक प्रवेश बन्द

लॉकडाउन में पूरे राज्य के मठ व मंदिर में प्रवेश निषेध रहेगा। बिहार धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष अखिलेश कुमार जैन ने बुधवार को इस संबंध में एक आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि 16 से 31 जुलाई तक पूरे राज्य में लॉकडाउन है। अतः इस दौरान राज्य के सभी मठ व मंदिरों में केवल पुजारी व महंथ ही भगवान की नियमित पूजा पाठ व अर्चना करेंगे। मंदिरों में मेला या उत्सव का आयोजन भी नहीं होगा। बिहार धार्मिक न्यास पर्षद में 31 जुलाई तक कोई भी केस की सुनवाई नहीं होगी।

सरकारी कार्यालय भी बंद

केन्द्र और राज्य सरकार के दफ्तर भी बंद कर दिए गए हैं। हालांकि आवश्यक सेवाओं में शामिल कार्यालयों को इससे अलग रखा गया है। वहीं जिन दफ्तरों में कामकाज होगा वहां भी मात्र 33 प्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति रहेगी। इससे ज्यादा कर्मचारियों के लिए जिलाधिकारी से अनुमति लेनी होगी। स्कूल, कॉलेज, कोचिंग, प्रशिक्षण व अनुसंधान से जुड़े तमाम संस्थानों को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। कोरोना संक्रमण के चलते बनाए गए कंटेनमेंट जोन में पहले की तरह पाबंदियां बरकरार हैं। गैराज और मोबाइल रिपेयरिंग सेंटर डीएम की अनुमति के बाद ही खोले जा सकते हैं।

भारतीय नागरिकों ने एच-1बी वीजा पर शासकीय आदेश के खिलाफ दायर किया मुकदमा

नई दिल्ली। एच-1बी वीजा पर हाल में आए एक शासकीय आदेश के खिलाफ सात नाबालिगों समेत 174 भारतीय नागरिकों के एक समूह ने मुकदमा दायर किया है। इस आदेश के तहत उनके अमेरिका में प्रवेश पर रोक लग सकती है अथवा उन्हें वीजा जारी नहीं किया जाएगा। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट अदालत के न्यायाधीश केतनजी ब्राउन जैक्सन ने बुधवार को विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ और होमलैंड सुरक्षा विभाग के कार्यकारी मंत्री चाड एफ वोल्फ के साथ श्रम मंत्री युजिन स्कालिया को सम्मन जारी किए। यह मुकदमा मंगलवार को अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट अदालत में दायर किया गया। वकील वास्डेन बैनियास ने 174 भारतीय नागरिकों की ओर से दायर मुकदमे में कहा, 'एच-1बी/एच-4 वीजा पर प्रतिबंध का शासकीय आदेश अमेरिका की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाता है, परिवारों को अलग करता है और कांग्रेस को खारिज करता है। इस मुकदमे में एच-1बी या एच-4 वीजा जारी करने पर पाबंदी लगाने या नए एच-1बी वीजा धारकों को देश में प्रवेश करने से रोकने वाले शासकीय आदेश को गैरकानूनी घोषित करने की मांग की गई है। साथ ही अदालत से अनुरोध किया गया है कि वह विदेश विभाग को एच-1बी और एच-4 वीजा के लिए लंबित अनुरोधों पर फैसले देने के लिए निर्देश जारी करे। गौरतलब है कि ट्रंप ने 22 जून को शासकीय आदेश जारी कर इस साल के अंत तक एच-1बी कार्य वीजा जारी करने पर अस्थायी रोक लगा दी।

CBSE नतीजों पर पीएम मोदी ने नाखुश छात्रों को कहा

कभी उम्मीद मत छोड़िए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10वीं और 12वीं कक्षाओं की सीबीएसई परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को बधाई दी और कहा कि जो इस परिणाम से खुश नहीं है, उन्हें याद रखना चाहिए कि एक परीक्षा उन्हें परिभाषित नहीं कर सकती। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उम्मीद का दामन कभी मत छोड़िये, हमेशा भविष्य की ओर देखिए। आप सब चमत्कार करोगे।

प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा, 10वीं और 12वीं की सीबीएसई परीक्षा में उत्तीर्ण मेरे युवा साथियों को बधाई। मैं आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।÷ पीएम मोदी ने कहा कि जो इन परिणामों से 'खुश नहीं हैं', उनसे वे कहना चाहते हैं कि एक परीक्षा यह परिभाषित नहीं करती कि वे कौन हैं।

उन्होंने कहा, आप सभी में प्रतिभा कूट-कूट कर भरी हुई है। जिंदगी को जी भरकर जिएं। उम्मीद का दामन कभी मत छोड़िये, हमेशा भविष्य की ओर देखिए। आप सब चमत्कार करोगे।

सीबीएसई ने सोमवार को 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किए थे। इसमें लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत लड़कों की तुलना में 5.96 प्रतिशत बेहतर रहा। इस वर्ष 12वीं कक्षा में कुल 88.78 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जबकि 2019 में इसका प्रतिशत 83।40 प्रतिशत था। यानी, पिछले साल की तुलना में इस साल 5.38 प्रतिशत अधिक विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए।

10वीं कक्षा में लड़कियों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत लड़कों की तुलना में 3.17 प्रतिशत अधिक रहा और कुल 91.46 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। इस वर्ष 10वीं कक्षा में कुल 91।46 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए, जबकि 2019 में 91.10 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए थे। यानी, पिछले साल की तुलना में इस साल 0.36 प्रतिशत अधिक छात्र उत्तीर्ण हुए।

इस साल लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.31 रहा, जबकि लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत 90.14 रहा। ट्रांसजेंडर का उत्तीर्ण प्रतिशत 78.95 रहा। 10वीं कक्षा की परीक्षा में 41,804 छात्रों को 95 प्रतिशत से अधिक अंक मिले, जबकि 1,84,358 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए।

> ● प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा, '10वीं और 12वीं की सीबीएसई परीक्षा में उत्तीर्ण मेरे युवा साथियों को बधाई. मैं आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।' पीएम मोदी ने कहा कि जो इन परिणामों से 'खुश नहीं हैं', उनसे वे कहना चाहते हैं कि एक परीक्षा यह परिभाषित नहीं करती कि वे कौन हैं

गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भूकंप के झटके

राजकोट में 4.5, उना में 2.3 की तीव्रता से हिली धरती

राजकोट, उना। सुबह-सुबह गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भूकंप के झटके महसूस किए गए। गुजरात के राजकोट में सुबह 7:40 बजे 4.5 की तीव्रता से और हिमाचल प्रदेश के उना में सुबह 4:47 बजे 2.3 की तीव्रता से धरती हिली है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने यह जानकारी दी है। आपको बता दें कि कोरोना संक्रमण के बीच लगातार धरती हिलती रही। देश के कोने-कोने में भूकंप के झटके लगातार महसूस किए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर, गुजरात, दिल्ली, असम, मिजोरम में बीते दिनों में कई बार धरती हिली है।

भूकंप आए तो क्या करें-भूकंप के दौरान मकान, दफ्तर या किसी भी इमारत में अगर आप मौजूद हैं तो वहां से बाहर निकलकर खुले में आ जाएं। इसके बाद खुले मैदान की ओर भागें।भूकंप के दौरान खुले मैदान से ज्यादा सुरक्षित जगह कोई नहीं होती। भूकंप आने की स्थिति में किसी बिल्डिंग के आसपास न खड़े हों। अगर आप ऐसी बिल्डिंग में हैं, जहां लिफ्ट हो तो लिफ्ट का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। ऐसी स्थिति में सीढ़ियों का इस्तेमाल करना ही उचित होता है। भूकंप के दौरान घर के दरवाजे और खिड़की को खुला रखें। इसके

अलावा घर की सभी बिजली स्विच को ऑफ कर दें। अगर बिल्डिंग बहुत ऊंची हो और तुरंत उतर पाना मुमकिन न हो तो बिल्डिंग में मौजूद किसी मेज, ऊंची चौकी या बेड के नीचे छिप जाएं। भूकंप के दौरान लोगों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वो पैनिक न करें और किसी भी तरह की अफवाह न फैलाएं, ऐसे में स्थिति और बुरी हो सकती है।

अशोक गहलोत सरकार को गिराना भाजपा के लिए नहीं होगा आसान, वसुंधरा राजे को भरोसे में लेकर चलेगी पार्टी

नई दिल्ली, जयपुर। राजस्थान कांग्रेस में सचिन पायलट की बगावत के हालात में भाजपा को लाभ तो दिख रहा है, लेकिन वह अपनी भावी रणनीति वसुंधरा राजे को भरोसे में लेकर ही तैयार करेगी। दरअसल गहलोत सरकार को गिराना अभी भी मुश्किल है और उसके बाद सरकार बनाना और भी कठिन। भाजपा केवल सरकार गिराकर स्थिति को और जटिल नहीं बनाना चाहती है। कांग्रेस के भीतर पद और प्रतिष्ठा गंवा चुके पायलट भी अभी तक भाजपा के साथ आने की हिम्मत नहीं जुटा सके हैं। अब जब तक वह अपने भविष्य के बारे में फैसला नहीं करते हैं, भाजपा भी कोई कदम नहीं उठाएगी। भाजपा पिछले दो दिनों से सचिन को पार्टी में आने के संकेत दे रही थी, लेकिन उन्होंने भाजपा से दूरी बनाए रखने की बात कह कर मामले को फिलहाल टाल दिया है। राजस्थान की आगे की राजनीति जयपुर में होनी है और उसमें भाजपा को वसुंधरा राजे की पूरी सहमति और सहयोग जरूरी है। विधानसभा के अंक गणित में

भाजपा को सरकार बनाने के लिए कांग्रेस में बड़ी टूट के साथ कई विधायकों के इस्तीफों की जरूरत होगी। साथ ही अपनी पार्टी को भी एकजुट रखना होगा।

नेतृत्व का भी फंसेगा पेंच

भाजपा विधायकों में अधिकांश वसुंधरा राजे के समर्थक हैं और उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। एक समस्या यही है कि पायलट अगर सरकार गिरा भी लेते हैं और भाजपा मदद करती है तो भाजपा की नई सरकार का नेतृत्व कौन करेगा? वसुंधरा राजे को लेकर पहले भी केंद्रीय नेतृत्व असहज रहा है और नई परिस्थिति में उसके सामने फिर वही समस्या खड़ी होगी। इन सवालों से बचने के लिए वह फिलहाल विधानसभा के अगले सत्र इंतजार करेगा और उस दौरान जो भी स्थिति बनेगी उसके अनुसार फैसला लिया जाएगा। तब तक पायलट अपना फैसला ले चुके होंगे और कांग्रेस के भीतर का घमासान साफ हो चुका होगा।

सहज नहीं रहे वसुंधरा और केंद्रीय नेतृत्व के रिश्ते-भाजपा नेतृत्व और वसुंधरा राजे के बीच पिछले विधानसभा चुनाव के समय से ही बहुत अच्छे रिश्ते नहीं रहे हैं। चुनाव के पहले प्रदेश अध्यक्ष तय करने के मुद्दे पर काफी गतिरोध रहा था। तब वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश माथुर ने बीच का रास्ता निकालते हुए मदन लाल सैनी को प्रदेश अध्यक्ष बनवाया था, जबकि केंद्रीय नेतृत्व गजेंद्र सिंह शेखावत के पक्ष में था। इसके पहले भी कई मौकों पर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और वसुंधरा राजे के बीच तनातनी रही है और हर बार वसुंधरा राजे की ही चली।

दिल्ली के शाहबाद इलाके में लगी भीषण आग

70 झुग्गियां जलकर खाक

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में बुधवार देर रात भयंकर आग लग गई. इस आग में 70 झुग्गियां जलकर राख हो गईं। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर अभी नहीं आई है। बता दें कि बुधवार देर रात लगभग 11 बजकर 26 मिनट पर फायर डिपार्टमेंट को फोन पर सूचना मिली कि शाहबाद में आग लग गई है, आग तेजी से फैल रही है और झुग्गियों को चपेट में ले चुकी है. जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम 26 गाड़ियों के साथ तुरंत मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। शाहबाद में लगी आग पर करीब ढाई घंटे की मेहनत के बाद रात करीब 2 बजे काबू पा लिया गया. फिलहाल अभी कूलिंग ऑपरेशन चल रहा है. आग लगने से 70 झुग्गियां जलकर राख हो गई हैं. राहत की बात है कि किसी के घायल होने की खबर नहीं मिली है।

चाबहार पर चीन के खेल को भारत करेगा फेल, रेल परियोजना को लेकर उम्मीद अभी भी बरकरार

नई दिल्ली। ईरान में चीन की ओर से बड़े निवेश संबंधी वादों के बावजूद भारत ने चाबहार-जाहेदान रेल परियोजना में अपनी भागीदारी को लेकर उम्मीद नहीं छोड़ी है। चीन की चाल फेल करने के लिए कूटनीतिक स्तर पर जवाब देने की तैयारी की गई है। भारत का मानना है कि परियोजना में उसका रास्ता खुला हुआ है। मौजूदा हालात के चलते काम में कुछ सुस्ती जरूर आई है, लेकिन जल्द ही भारत अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेगा। सूत्रों का कहना है कि ये सही है कि चीन के निवेश वादों को लेकर ईरान में

दिलचस्पी है, लेकिन वह भारत से संबंधों में संतुलन बनाए रखने के पक्ष में है। भारत और ईरान के संबंध पारंपरिक है। भारत कूटनीतिक स्तर पर ईरान के संपर्क में है।

भारत की प्रतिबद्धता में कमी नहीं-सूत्रों का कहना है कि भारत की प्रतिबद्धता में कोई कमी नहीं है। भारत पूरी तरह से खेल में बना हुआ है। जल्द ही स्थिति में सुधार नजर आएगा।

संपर्क परियोजना से संबंध मजबूत होंगे- सूत्रों ने कहा कि भारत पश्चिम एशियाई देश में विभिन्न संपर्क परियोजना को भारत-ईरान संबंधों को आगे बढ़ाने के रूप में देखता है। चाबहार-जाहेदान बंदरगाह रेल परियोजना और मुंबई से मॉस्को तक उत्तर-दक्षिण अंतरराष्ट्रीय गलियारा योजना पर ईरान और भारत मिलकर काम कर रहे हैं। यह गलियारा ईरान से होकर गुजरेगा।

काफी काम कर चुका है भारत-सूत्रों का कहना है कि चाबहार प्रोजेक्ट में काफी कुछ काम हुआ है और कुछ जगहों पर परिचालन शुरू हुआ है। जहां तक रेल प्रोजेक्ट की बात है, तो इसके दो घटक हैं। कुछ काम ईरान को करना है जिसमें धन की कमी के चलते देरी देखी गई। ईरान का काम पूरा होने पर भारत स्टॉक की आपूर्ति करेगा और परिचालन संयुक्त रूप से किया जाएगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अच्छे परिणाम

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 10वीं कक्षा के अच्छे परिणाम से जहां खुशी का संचार हुआ है, वहीं इससे अन्य छात्रों को बेहतर पढ़ाई की प्रेरणा भी मिली है। कुल 91.46 प्रतिशत छात्र परीक्षा में सफल हुए हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 0.36 प्रतिशत बेहतर नतीजे रहे हैं। अब यह आश्चर्य की बात नहीं कि लड़कियों ने 93.31 के पास प्रतिशत के साथ लड़कों को पछाड़ दिया है। लड़कों के पास होने का प्रतिशत 90.14 रहा है। खास बात यह रही कि इस वर्ष 2.23 प्रतिशत या 41,804 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। यह बहुत सकारात्मक बात है कि 18 लाख विद्यार्थियों के बीच 1.84 लाख से अधिक ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि 10 में से एक विद्यार्थी को 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल होने लगे हैं, यह कहीं न कहीं बेहतर होती शिक्षा की ओर एक इशारा है। एक अच्छी बात यह रही है कि सीबीएसई ने कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए इस वर्ष 12वीं और 10वीं, दोनों कक्षाओं के टॉपरों का एलान नहीं किया है। शिक्षाविद भी मानते हैं कि टॉपरों के एलान से लाभ कम और नुकसान ज्यादा होते हैं। आज छात्रों के बीच चिंता का माहौल है, वे घरों में रहने को विवश हैं, उनमें अकेलापन, अवसाद और अन्य तरह की समस्याएं बढ़ी हैं। अत- आज शिक्षा बोर्ड को ऐसी कोई पहल नहीं करनी चाहिए कि छात्रों की बड़ी जमात में किसी तरह का असंतोष, दुख या अपमान पैदा हो। कोरोना के इस दौर में हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि 10वीं की परीक्षा ढंग से नहीं हो पाई है। अनेक विषयों की परीक्षा कोरोना के कारण स्थगित करनी पड़ी है। परीक्षा फिर लेने के प्रयास भी सफल नहीं रहे हैं। ऐसे में, विद्यार्थी जिन विषयों की परीक्षा नहीं दे पाए हैं, उनमें उन्हें आनुपातिक रूप से ही अंक दिए गए हैं। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि परिणाम संपूर्ण नहीं है। यदि कोई छात्र परीक्षा रद्द होने से पहले तीन से अधिक विषयों की परीक्षा दे चुका था, तो उसे तीन उच्चतम प्राप्त अंकों के हिसाब से बाकी विषयों में अंक दिए गए हैं। इस व्यवस्था में उन छात्रों के साथ अच्छा नहीं हुआ है, जो तीन से कम विषयों की परीक्षा दे पाए थे। ऐसे विद्यार्थियों के परिणाम की गणना में आंतरिक, व्यावहारिक और परियोजना मूल्यांकन के अंकों पर भी गौर किया गया है। बेशक, परीक्षा परिणाम सामने हैं, लेकिन कामचलाऊ ही हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि कोरोना काबू में आएगा और दोबारा इस तरीके से मूल्यांकन की जरूरत नहीं रह जाएगी। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए भी सामान्य शिक्षा, परीक्षा और परिणाम की बहाली बहुत जरूरी है। फिर भी एनसीईआरटी और सीबीएसई जैसी संस्थाओं को ऑनलाइन परीक्षा के पुख्ता तरीकों पर भी काम करना होगा। आने वाले दिनों में जो परीक्षाएं होंगी, उनका ढांचा कैसा हो, कैसे विद्यार्थियों का सही मूल्यांकन हो सके, इसके पैमाने चाक-चौबंद करने होंगे। आगे शिक्षा की चुनौतियां बहुत बढ़ रही हैं। शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विशेष प्रयास करने ही होंगे। दसवीं और बारहवीं की अगली परीक्षाओं में अब छह-सात महीने ही बचे हैं। सुनिश्चित करना होगा कि आगामी परीक्षाओं में सफल विद्यार्थियों की संख्या में कोई कमी न आने पाए।

चाबहार में चीन का नया दांव

विवेक काटजू, पूर्व राजदूत

भारत और ईरान के ऐतिहासिक रिश्ते रहे हैं। नई दिल्ली ने हमेशा यह कोशिश की है कि उससे आर्थिक, वाणिज्यिक, सामरिक संबंध इस कदर आगे बढ़ाए जाएं कि दोनों देशों के हितों को लाभ हो। मगर अमेरिका और ईरान के रिश्तों में आई खटास का असर नई दिल्ली-तेहरान पर ही नहीं, अन्य देशों के साथ ईरान के संबंधों पर भी पड़ा है। अमेरिका द्वारा ईरान के साथ तेल व्यापार को प्रतिबंधित कर देने का असर भी नई दिल्ली-तेहरान के रिश्ते पर दिखा है। यहां गौर करने की बात यह है कि अमेरिका ने चाबहार परियोजना को अपने प्रतिबंधों से अलग रखा था।

दो दशक से भी अधिक समय से भारत की नजर ईरान की चाबहार बंदरगाह पर रही है। इसके जरिए यही मंशा रही कि चाबहार से ईरान की सरजमीं से होते अफगानिस्तान तक कनेक्टिविटी बनाई जाए। ऐसा करना इसलिए जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान कभी भी भारत के लिए अफगानिस्तान का रास्ता अपने पंजाब सूबे के जरिए नहीं खोलेगा। ईरान की भी यही ख्वाहिश रही है कि चाबहार बंदरगाह को विकसित किया जाए और सड़क व रेल संपर्कों के जरिए अफगानिस्तान तक एक और पहुंच बनाई जाए। इसी वजह से भारत व ईरान में समझौते हुए और दोनों देशों ने यह तय किया कि भारत चाबहार बंदरगाह के विकास में योगदान देने के साथ-साथ ईरान के साथ मिलकर चाबहार से जाहेदान तक रेलवे लाइन बिछाने का काम करेगा। मगर कुछ दिनों पहले ईरान ने यह इल्जाम लगाते हुए कि इस रेल परियोजना में भारत ने कोई तत्परता नहीं दिखाई और वादे के मुताबिक राशि खर्च नहीं की, उसने खुद इसे बनाना शुरू कर दिया। जाहिर है, ईरान के इस कदम से भारत के हितों को झटका लगा है। मगर इसके साथ-साथ यह खबर भी कम महत्वपूर्ण नहीं है कि चीन और ईरान के बीच समझौता हो रहा है, जिसके तहत दोनों देश आर्थिक व सैन्य सहयोग बढ़ाएंगे और ईरान के विकास के लिए चीन अगले बीस वर्षों तक उसकी विभिन्न परियोजनाओं पर खूब खर्च करेगा। यदि ऐसा होता है, तो इससे पश्चिम एशिया का सामरिक और आर्थिक रंग-रूप बदल सकता है। यह खबर इसलिए भी सही जान पड़ती है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान पर अपना शिकंजा और कस दिया है, जिससे उसकी माली हालत पूरी तरह चरमरा गई है। ऐसे में, अब यह आशंका है कि ईरान चाबहार-जाहेदान रेलवे लाइन पर चीन से आर्थिक मदद मांगेगा। इन खबरों की पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक है। दरअसल, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने यह फैसला किया था कि परमाणु हथियार बनाने की ईरान की महत्वाकांक्षा को रोकने के लिए उसके साथ समझौता करना जरूरी है। नतीजतन, साल 2015 में दोनों देशों के बीच समझौता हुआ, जिसकी शर्तों के मुताबिक ईरान ने यूरेनियम संवर्द्धन करने की अपनी मंशा 10 वर्षों के लिए त्याग भी दी। इसके बदले में अमेरिका ने ईरान पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों को धीरे-धीरे हटा लेने का भरोसा दिया। साथ ही, यह भी तय किया गया कि अमेरिकी बैंकों में जमा ईरान की धनराशि उसे वापस दे दी जाएगी। हालांकि, सुन्नी बहुल अरब देश और इजरायल इस समझौते के खिलाफ थे। फिर भी, बराक ओबामा ने ईरान को राहत दी थी, जिसके कारण उसकी आर्थिक स्थिति कुछ सुधरी और उसने पश्चिम एशिया में अपना दबदबा बढ़ाना शुरू किया। एक दृष्टि से ईरान ने इस क्षेत्र के शिया बहुल इस्लामिक देशों को अपने साथ मिलाया, जिससे सुन्नी और शिया की पारंपरिक दरार बढ़ती नजर आई। राष्ट्रपति ट्रंप जब सत्ता में आए, तो उन्होंने ओबामा की नीति को खारिज करते हुए इस परमाणु समझौते से अमेरिका को बाहर निकाल लिया और ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध तेज कर दिए। इसकी वजह से ईरान अपना तेल तक नहीं बेच पा रहा है। इसके अलावा, ट्रंप सुन्नी अरब देशों के साथ भी खड़े हैं, जो कि अमेरिका की पारंपरिक नीति रही है। अमेरिका का एक उद्देश्य ईरान में विलायत-ए-फकी शासन प्रणाली को तोड़ना और सत्ता परिवर्तन भी है। ऐसी सूरत में, ईरान ने अपनी पारंपरिक विदेश नीति से, जिसमें वह हमेशा संतुलन बनाने की कोशिश करता रहा है, किनारा कर लिया। इससे चीन को एक मौका मिला है और अब वह इसका पूरा लाभ उठाता दिख रहा है। चीन ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के शासनकाल में आक्रामक रुख अपनाया है। उसकी कोशिश रही है कि वह हर क्षेत्र में अमेरिका को बराबर की टक्कर दे। कोविड-19 के संक्रमण काल में जहां वाशिंगटन ने उस पर दबाव बनाने की कोशिश तेज की, तो चीन ने भी अपनी विस्तारवाद की नीति को हवा दी है। हांगकांग, ताइवान, दक्षिण चीन सागर सहित भारत-चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा तक पर इसे अनुभव किया जा सकता है। ईरान में जिस मंशा के तहत बीजिंग अपने कदम आगे बढ़ा रहा है, वह असल में अमेरिका को दिया जाने वाला साफ संकेत है कि उसे ट्रंप की नीतियों की कोई परवाह नहीं है; अमेरिका बेशक ईरान पर तमाम प्रतिबंध लगाए, पर बीजिंग उसके साथ हर क्षेत्र में अपने संबंध आगे बढ़ाएगा। जाहिर है, इसका असर पश्चिम एशिया पर तो पड़ेगा ही, दक्षिण एशिया में भी पड़ सकता है, जहां भारत के हित प्रभावित हो सकते हैं। भारत और ईरान के ऐतिहासिक रिश्ते रहे हैं। नई दिल्ली ने हमेशा यह कोशिश की है कि उससे आर्थिक, वाणिज्यिक, सामरिक संबंध इस कदर आगे बढ़ाए जाएं कि दोनों देशों के हितों को लाभ हो। मगर अमेरिका और ईरान के रिश्तों में आई खटास का असर नई दिल्ली-तेहरान पर ही नहीं, अन्य देशों के साथ ईरान के संबंधों पर भी पड़ा है। अमेरिका द्वारा ईरान के साथ तेल व्यापार को प्रतिबंधित कर देने का असर भी नई दिल्ली-तेहरान के रिश्ते पर दिखा है। यहां गौर करने की बात यह है कि अमेरिका ने चाबहार परियोजना को अपने प्रतिबंधों से अलग रखा था। ऐसे में, अच्छा यही होता कि चाबहार-जाहेदान रेल परियोजना में आपसी सहयोग बना रहता। अगर इस मसले पर अमेरिका से बातचीत आवश्यक थी, तो की जानी चाहिए थी। बहरहाल, अमेरिका और चीन के बीच जो राजनयिक और सामरिक खेल चल रहा है, उसमें ईरान भी एक मोहरा बनता दिख रहा है। मुश्किल यह है कि हमारे पश्चिम के पड़ोसी देशों में चीन का बढ़ता दबदबा हमारी मुश्किलें बढ़ा सकता है। पाकिस्तान में चीन का दखल जगजाहिर है और अब तेहरान भी बीजिंग के पाले में जाता दिख रहा है। अफगानिस्तान और मध्य एशिया में भी उसके हस्तक्षेप छिपे नहीं हैं। ऐसे में, भारत को अपने सामरिक हितों की रक्षा के लिए गंभीरता से विचार करना पड़ेगा और राजनीतिक व कूटनीतिक वर्ग को दृढ़ इच्छाशक्ति दिखानी पड़ेगी। चीन के रवैये को लेकर भारत और विश्व शक्तियों के बीच संपर्क बढ़ाना होगा, जिसमें यूरोपीय संघ की बुधवार को हुई बैठक काफी अहम है। साफ है, अगर अभी संजीदगी नहीं दिखाई गई, तो आने वाले वर्षों में भारत को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ज्ञान-गंगा

मनुष्यता

आचार्य रजनीश ओशो/ तन और मन अलग-अलग खुश नहीं हो सकते, न अलग-अलग दुखी हो सकते हैं। दोनों एक ही अस्तित्व के दो आयाम हैं, जिन्हें एक साथ संभाला और संवारा जाना जरूरी है। मनुष्य एक बीमारी है। यही उसकी तकलीफ है और यही उसकी खूबी भी। यही उसका सौभाग्य है और यही उसका दुर्भाग्य भी। रोग ने ही मनुष्य को सारा विकास दिया है। रोग का मतलब यह है कि हम जहां हैं, वहीं राजी नहीं हो सकते। रोग ही मनुष्य की गति बना, लेकिन वही उसका दुर्भाग्य भी है, क्योंकि इसी रोग की वजह से वह बेचैन है, परेशान है, अशांत है, दुखी है। यह जो मनुष्य नाम का रोग है, इस रोग को सोचने, समझने और हल करने के दो उपाय किए गए हैं। एक उपाय औषधि है और दूसरा ध्यान। ये दोनों एक ही रोग का इलाज हैं। औषधि शास्त्र मनुष्य के रोग को आणविक दृष्टि से देखता है। औषधि शास्त्र मनुष्य के एक-एक रोग के साथ अलग-अलग व्यवहार करता है। ध्यान मनुष्य को संपूर्ण बीमार मानता है। ध्यान मनुष्य के व्यक्तित्व को बीमार मानता है। हालांकि, धीरे-धीरे यह दूरी कम हुई है और औषधि शास्त्र ने भी कहना शुरू किया है कि बीमारी का नहीं, बीमार का इलाज करो। यह बड़ी गंभीर बात है, क्योंकि इसका मतलब यह है कि बीमारी भी बीमार के जीने का एक ढंग है। हर आदमी एक-सा बीमार नहीं हो सकता। ऐसा जरूरी नहीं है कि दो लोग क्षय रोग से पीड़ित हों और दोनों एक ही तरह के बीमार हों। दोनों में क्षय रोग भी दो तरह का होगा, क्योंकि वे दो व्यक्ति हैं। हो सकता है कि जो इलाज एक के क्षय को ठीक कर सके, वह दूसरे के क्षय को ठीक न कर सके। इसलिए समस्या की जड़ बीमारी नहीं, बीमार है। औषधि शास्त्र ऊपर से बीमारियों को पकड़ता है। ध्यान का शास्त्र गहराई से बीमारियों को पकड़ता है। इसे ऐसा कह सकते हैं कि औषधि मनुष्य को ऊपर से स्वस्थ करने की चेष्टा करती है। ध्यान मनुष्य को भीतर से स्वस्थ करने की चेष्टा करता है। न तो ध्यान पूर्ण हो सकता है औषधि शास्त्र के बिना और न औषधि शास्त्र पूर्ण हो सकता है ध्यान के बिना। मनुष्य हजारों वर्षों से इस तरह सोचता रहा है कि आदमी का शरीर अलग है और आत्मा अलग। इस चिंतन के दो खतरनाक परिणाम हुए। एक तो यह हुआ कि कुछ लोगों ने आत्मा को ही मनुष्य मान लिया, शरीर की उपेक्षा कर दी। जिन कौमों ने ऐसा किया, उन्होंने ध्यान का तो विकास किया, लेकिन औषधि का विकास नहीं किया।

आलेख

कांग्रेस बुझा सकती थी असंतोष की चिनगारी

विनोद शर्मा

पंजाब के कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ जुड़ा 2014 के लोकसभा चुनावों का एक किस्सा अशोक गहलोत और सचिन पायलट की प्रतिस्पर्द्धा के बीच मौजूं हो गया। किस्सा यह है कि सोनिया गांधी ने कैप्टन से सीधे फोन पर चुनाव में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की बात की थी। उन्होंने पंजाब के अनिच्छुक नेता से व्यक्तिगत रूप से कहा कि यदि वे ऐसा करते हैं, तो इससे मदद मिलेगी। और कैप्टन चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो गए। अब बात 2020 की। सचिन पायलट ने उप-मुख्यमंत्री और पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पद से हटाए जाने से कुछ समय पहले इस लेखक से कहा कि 'कांग्रेस अध्यक्ष को आगे आना चाहिए'। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व को मुख्यमंत्री गहलोत के खिलाफ उन्होंने अपनी शिकायतों से अवगत कराया था, विधायक दल में उन्हें और उनके समर्थकों को दरकिनार व अपमानित किया जा रहा था। पार्टी आलाकमान ने (पायलट से 27 साल बड़े) 69 वर्षीय गहलोत को मुख्यमंत्री बनाए रखने के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया के बाद एक और युवा व होनहार नेता खो दिया है। कई जगह सत्ता से बाहर रहने के बावजूद कांग्रेस में संगठन शक्ति केंद्रीकृत है। पार्टी के गिरते ग्राफ के बावजूद संगठन के विभिन्न स्तरों से सोनिया गांधी का जुड़ाव कायम है। सचिन पायलट या सांसद रहीं उनकी मां रमा पायलट से सोनिया गांधी की एक निजी अपील निर्णायक हो सकती थी। जयपुर भेजे गए दूतों के माध्यम से सुलह की राह तैयार हो सकती थी। साल 2018 में सचिन पायलट के मजबूत दावे के बावजूद अशोक गहलोत जब मुख्यमंत्री बने थे, तब एक साक्षात्कार में पायलट ने माना था कि उन्हें बहुत कम समय में बहुत कुछ मिला, 'आज कुछ देने का समय है, कांग्रेस ने मुझे बहुत कुछ दिया है। 26 साल की उम्र में मैं सांसद बन गया, 30 में मंत्री और 35 में पार्टी प्रमुख'। उसके बाद 19 महीनों में ही आखिर क्या हो गया? समझा जाता है कि राहुल गांधी ने, जो तब कांग्रेस अध्यक्ष थे, मुख्यमंत्री पद के लिए पायलट को अपनी बारी का इंतजार करने के लिए मनाते हुए दोस्ती का दुहाई दी थी। हालांकि जीत का उत्साह तेजी से खत्म हो गया, क्योंकि पांच महीने के बाद ही 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस उस जोधपुर सहित सभी 25 सीटों पर हार गई, जहां गहलोत के बेटे वैभव उम्मीदवार थे। वैभव मौजूदा सांसद और भाजपा के उभरते चेहरे गजेंद्र सिंह शेखावत से हार गए थे। माना जाता है कि प्रधानमंत्री शेखावत को भावी भैरो सिंह शेखावत के रूप में तैयार कर रहे हैं। संसदीय हार से ही शुरुआती चिनगारी पैदा हुई, जिसने आज कांग्रेस की एकता के नकाब को उतार फेंका है। अपमानजनक नतीजों के लिए गहलोत और पायलट ने एक-दूसरे को दोषी ठहराया। उनका परस्पर अविश्वास भी पार्टी के आशानुरूप प्रदर्शन न करने की वजह बना था। विधानसभा की कुल 200 में से कांग्रेस की सीटें 99 ही थीं। बहुमत से कम आई सीटों ने तराजू को अनुभवी गहलोत के पक्ष में झुका दिया। गहलोत को अन्य कारकों से भी मदद मिली। प्रभावशाली कांग्रेस नेताओं से निकटता, विधायक दल में समर्थन और एक ऐसी सामाजिक पहचान, जो किसी के लिए खतरा नहीं है। जबकि मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सचिन पायलट को गुर्जर समुदाय के नेता के रूप में भी पेश किया गया था। खैर, लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद राहुल गांधी की पार्टी अध्यक्षता का अंत पायलट के लिए एक और झटका था। वह राहुल के आश्वासन पर ही गहलोत को अंतर्काल के लिए मुख्यमंत्री बनाने पर सहमत हुए थे। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में जब राहुल ने अपने इस्तीफे की घोषणा की, तब उन्होंने इशारा किया कि तीन वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी की बजाय अपने बेटों पर अधिक ध्यान दिया। गहलोत उनमें से एक थे। हालांकि इससे गहलोत का पक्ष कमजोर नहीं हुआ। सवाल यह भी है कि क्या भाजपा पायलट को मुख्यमंत्री पद की पेशकश कर सकती है? मेरा मानना है, यदि वसुंधरा पीछे हट जाएं या उन्हें छोड़कर आगे बढ़ा जाए, तो गजेंद्र सिंह ही भाजपा की पहली पसंद होंगे। उपचुनाव के बाद पायलट एक क्षेत्रीय संगठन के नेता के रूप में 30 की संख्या जुटा लेते हैं, तो 75 सदस्यीय भाजपा गठबंधन उन पर दांव लगाने में सार देख सकता है। लेकिन फिलहाल गहलोत और पायलट, दोनों के लिए भविष्य अनिश्चित है।

नाम

दिल्ली (इंद्रप्रस्थ) कभी पांडवों की राजधानी थी ! बाबर, अकबर, हुमायूं के नाम से सड़कें हैं... लेकिन कोई सड़क युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन या भीष्म के नाम पर क्यों नही है?? -- अर्णव गोस्वामी

सू-दोकू नवताल -1679

				6		5	9	2
					3			
2			5		9		6	1
	2			1			7	8
6	7			9			2	
7	8		9		2			3
			4					
1	3	5		8				

सू-दोकू - 1678 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

शब्द पहेली-1679

1	2	■	3	4	5	■	6	7
8		9	■	10		11	■	
■	12		13	■	14		15	■
16	■	17		18	■	19		20
21	22	■	23		24	■	25	
26		27	■	28		29	■	
■	30		31	■	32		33	■
34	■	35		36	■	37		38
39		■	40			■	41	

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर, भगवान-2
3.सुंदर, खूबसूरत-3
6.सलाह, मत-2
8.स्नान करना-3
10.वध करना-3
12.निर्माण-3
14.रूई का पौधा-3
17.आयोग्य-3
19.अंजाम देना-3
21.कत्ल, हत्या-2
23.नौकरानी-3
25.गाने का ढंग, शैली-2
26.मुलायम-3
28.एक गहरा व बड़ा बर्तन-3
30.तृतीय, दूसरे के बाद-3
32.सेनापति, अगुवा-3
35.भीरु, डरपोक-3
37.कथा, गाथा-3
39.वध, मर्डर-2
40.राहु का एक पुत्र-3
41.एक विदेशी शराब

ऊपर से नीचे

1.क्रिकेट में बनते हैं-2
2.बसंत का समय-3
4.हद, सरहद-2
5.स्वर्ग का विलोम-3
7.यमराज, मृत्यु देवता-2
9.नृत्य करना-3
11.अपवित्र-3
13.असफल-3
15.सहज, आसान-3
16.श्रावण, आषाढ़ के बाद का महीना-3
18.आराम, मदद, चैन-3
20.मुखिया, सरदार-3
22.भूमि, वसुंधरा-3
24.क्रुद्ध, खफा होना-3
27.मक्खन-3
29.योग्य, काबिल, गुणवान-3
31.दही का एक भोज्य पदार्थ-3
33.एक जाती जो प्राय: डोली ढोने, पानी भरने आदि के काम करती है-3
34.रास्ता, मार्ग-2
36.एक अंग्रेजी शराब-2
38.एक औषधीयुक्त पेड़-2

शब्द पहेली-1678

■	बं	ध	न	■	आ	द	मी	■
क	द	■	म	■	रा	■	न	ल
त	■	■	क	या	म	त	■	जा
रा	य	ता	■	र	■	र	च	ना
■	■	क	ला	■	आ	स	■	■
प	का	ना	■	मा	■	ना	का	म
ना	■	■	भ	न	क	■	■	न
ह	त्या	■	व	■	स	■	म	न
■	ग	ल	न	■	र	ट	ना	■

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकन एयरलाइंस ने दी चेतावनी, कोरोना काल में जा सकती है 25000 कर्मचारियों की नौकरी

इंटरनेशनल डेस्क । अमेरिकन एयरलाइंस ने लगभग 25,000 कर्मचारियों को सूचित किया है कि कोरोना वायरस के चलते हवाई यात्रा की मांग में भारी कमी के कारण अक्तूबर में उनकी नौकरियों को खत्म किया जा सकता है। अमेरिकी के शीर्ष अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि यदि पर्याप्त संख्या में श्रमिक दो साल तक के लिए आंशिक भुगतान के साथ अवकाश ले लेते हैं, तो यह छंटनी कम हो सकती है। एयरलाइन के सीईओ डग पार्कर और अध्यक्ष रॉबर्ट इसोम ने कर्मचारियों को भेजी नोटिस में कहा कि उन्हें छंटनी से बचे जाने की उम्मीद है, क्योंकि महामारी का प्रकोप कम पड़ने से 1 अक्तूबर तक हवाई यात्रा की मांग में तेजी आने का अनुमान है।

प्राभजीत सिंह बने उबर इंडिया, दक्षिण एशिया के अध्यक्ष

नयी दिल्ली। ऐप आधारित कैब सेवाएं देने वाली कंपनी उबर ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्राभजीत सिंह को भारत और दक्षिण एशिया परिचालन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभावी है। वह अपनी नयी भूमिका में कंपनी के आवागमन व्यवसाय की वृद्धि के अगले चरण की निगरानी करेंगे। वह भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश में वाहन चालकों व यात्रियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करेंगे। इससे पहले सिंह परिचालन निदेशक (भारत और दक्षिण एशिया) तथा हेड ऑफ सिटीज के पद पर कार्यरत थे। उबर के क्षेत्रीय महाप्रबंधक (एशिया प्रशांत) प्रदीप परमेश्वरन ने कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि प्राभ भारत और दक्षिण एशिया के लिये उबर के नये अध्यक्ष के रूप में मेरी जगह ले रहे हैं। भारत और दक्षिण एशिया हमारे सबसे तेजी से बढ़ते व सबसे रणनीतिक बाजारों में से एक है। प्राभ एक उत्साही और नवोन्मेषी कार्यकारी हैं तथा वह उबर को जमीनी स्तर से यहां तक लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।''

टाटा पावर की इकाई को 225 मेगावाट की नवीकरणीय परियोजना के विकास का ठेका मिला

नयी दिल्ली। टाटा पावर ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई टीपीजीईएल को एक 225 मेगावाट की हाइब्रिड नवीकरणीय बिजली परियोजना के विकास का ठेका मिला है। टाटा पावर ने शेयर बाजार को बताया, ''टाटा पावर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (टीपीजीईएल), जो उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, को 225 मेगावाट के हाइब्रिड नवीकरणीय परियोजना विकसित करने के लिए टाटा पावर मुंबई डिस्ट्रीब्यूशन से 13 जुलाई, 2020 को एक पत्र मिला है।''

भारत का सेवा निर्यात मई में 10.24 प्रतिशत गिरा

नयी दिल्ली। भारत के सेवा क्षेत्र का निर्यात मई में 10.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16.77 अरब डॉलर पर आ गया। रिजर्व बैंक के बुधवार को जारी आंकड़ों में इसका पता चला। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, मई में सेवाओं का आयात 20.45 प्रतिशत कम होकर 9.94 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक लगभग 45 दिनों का अंतराल लेकर सेवाओं में भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर मासिक आंकड़े जारी करता है। सेवाओं के मासिक आंकड़े प्राथमिक हैं और जब तिमाही के आधार पर भुगतान के संतुलन (बीओपी) के आंकड़े सामने आते हैं, तब इनमें संशोधन किया जाता है। रिजर्व बैंक ने कहा, ''मई 2020 में सेवाओं का निर्यात 10.24 प्रतिशत कम होकर 16.77 अरब डॉलर (1,26,851.39 करोड़ रुपये) रहा। जून 2020 में सेवाओं का निर्यात 16.48 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।'' सेवाओं का निर्यात 16.48 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।'' अप्रैल से मई की अवधि के दौरान, सेवा क्षेत्र का निर्यात 33.22 अरब डॉलर और आयात 19.24 अरब डॉलर रहा।

बड़े स्तर पर परीक्षण किए बिना काबू में नहीं आएगी कोविड-19 महामारी: टाटा समूह प्रमुख

नयी दिल्ली।

टाटा समूह के प्रमुख एन चंद्रशेखरन ने कोविड-19 के परीक्षण में तेजी की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि जब तक बड़े पैमाने पर परीक्षण नहीं किए जाएंगे, इस महामारी पर काबू नहीं पाया जा सकता। उन्होंने कहा, ''कोविड-19 महामारी के चलते हमने पिछले छह महीने में जो अनुभव किया, उसकी तुलना बहुत कम घटनाओं से की जा सकती है।' उन्होंने कहा कि एक होकर काम करना, समूह की विशेषज्ञता का विकास करना, क्षमता बढ़ाने के लिए गठजोड़ करना, देश की आत्मनिर्भरता के लिए काम करना, रचनात्मक समाधान के लिए प्रौद्योगिकी को लागू करना और कठिन समय में लोगों की मदद करना, ये इस असाधारण समय की विशेषताएं हैं। टाटा समूह की सभी कंपनियों की होल्डिंग कंपनी और प्रवर्तक टाटा संस के चेयरमैन ने समूह के एक पत्र में कहा, ''पिछले कुछ महीने बेहद चुनौतीपूर्ण रहे हैं, लेकिन इस दौरान सहयोग की भावना भी देखने को मिली है। मुझे गर्व है कि हमने इस बीमारी से लड़ने के लिए मिलकर काम किया है।'' चंद्रशेखरन ने आगे कहा, ''अब, जैसा कि हम महामारी के बाद एक अनिश्चितता भरी यात्रा से गुजर रहे हैं, हमें 'वन टाटा' की मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए सरलता, तालमेल और सिद्धांत के पैमाने को सबसे ऊपर रखकर प्रतिक्रिया देनी होगी।' उन्होंने कोरोना वायरस संक्रमण के अधिक से अधिक परीक्षण की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, ''जब तक हम बड़े पैमाने पर परीक्षण नहीं होंगे, तब तक इस महामारी को नियंत्रित नहीं किया जा सकेगा। '' उन्होंने कहा कि टाटा समूह ने परीक्षण को आसान, तेज और सस्ता बनाने के लिए प्रौद्योगिकी में निवेश किया है।

सैमसंग ने मैजिकपिन में किया 52 करोड़ रुपये निवेश

नयी दिल्ली। ई-वाणिज्य क्षेत्र की स्टार्टअप कंपनी मैजिकपिन ने बुधवार को कहा कि उसने सैमसंग वेंचर इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन से 52 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया है। मैजिकपिन ने कहा कि इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से व्यापार विस्तार और नये उत्पादों के विकास पर किया जाएगा। गुड़गांव स्थित कंपनी ने अपने मंच से जुड़ने वाले खुदरा विक्रेताओं की बिक्री पर शून्य कमीशन वसूल करने की भी घोषणा की। मैजिकपिन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं सह-संस्थापक अंशु शर्मा ने एक बयान में कहा, सैमसंग वेंचर इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के निवेश का उपयोग शहरों, बाजारों, श्रेणियों में और मैजिकस्टोर जैसे ऑनलाइन उत्पादों को विकसित करने के लिये किया जायेगा।

चीन को 800 करोड़ का झटका, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट संबंधी दो चीनी कंपनियों की बोली रद्द

नई दिल्ली । सीमा पर हेकड़ी दिखा रहे चीन को मोदी सरकार ने एक और तगड़ा झटका दिया है। सरकार ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट से दो चीनी कंपनियों की बोली रद्द कर दी है। यह ठेका करीब 800 करोड़ रुपये का था। इन कंपनियों को लेटर ऑफ अवॉर्ड देने से इंकार कर दिया गया है। अब यह ठेका दूसरे सबसे कम रेट पर बिड करने वाली फर्म को दिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, यह ठेका दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के दो खंड के लिए था। दोनों चीनी कंपनियां चीन जिगांक्सी कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन की सब्सिडियरी हैं। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्रालय ने करीब 800 करोड़ रुपये के इन ठेकों को रद्द कर दिया है। दोनों कंपनियां बिड करने में सफल हुई थीं। इसके बावजूद उन्हें लेटर ऑफ अवॉर्ड नहीं दिया गया। यह ठेका अब दूसरी सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी को दिया जाएगा। हाल में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन हाल में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान किया था कि चीनी कंपनियों को राजमार्ग परियोजनाओं से बाहर कर दिया जाएगा। नितिन गडकरी ने कहा था कि चीनी कंपनियों को संयुक्त उद्यम पार्टनर के रूप में भी काम नहीं करने दिया जाएगा।

अन्य यात्रियों का सुरक्षित दूरी के नियमों का पालन नहीं करना लोगों की प्रमुख चिंता: इंडिगो सर्वेक्षण

नयी दिल्ली।

विमान से यात्रा करने वाले लोगों के लिये अभी अन्य यात्रियों का सुरक्षित दूरी या सामाजिक दूरी के नियमों का पालन नहीं करना प्रमुख चिंताओं में से एक है। विमानन कंपनी इंडिगो के एक सर्वेक्षण में इसकी जानकारी मिली। इंडिगो ने यह सर्वेक्षण 20 जून से 28 जून के दौरान किया और इसमें 25 हजार विमान यात्रियों की भागीदारी रही। सर्वेक्षण में यह भी बात सामने आयी कि अभी लोग एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिये विमानन सेवा को सबसे सुरक्षित माध्यम मान रहे हैं। सर्वेक्षण में शामिल 68 प्रतिशत लोगों ने अभी उड़ानों को यात्रा का सबसे सुरक्षित माध्यम माना। इसके अलावा 24 प्रतिशत लोगों ने सड़क से वाहन के माध्यम को और महज आठ प्रतिशत ने रेल यात्रा को सुरक्षित माना। सर्वेक्षण में कहा गया, ''अन्य यात्रियों के द्वारा सुरक्षित आपसी दूरी का पालन नहीं करना, राज्यों के द्वारा पृथक रहने के प्रावधान तथा कई लोगों के साथ एक विमान में सवार होना यात्रा करना लोगों की मुख्य चिंताएं हैं। 62 प्रतिशत लोगों ने अन्य यात्रियों के द्वारा सुरक्षित आपसी दूरी का पालन नहीं करने पर चिंता व्यक्त की। इसके अलावा 55 प्रतिशत लोगों ने राज्यों के पृथक रहने के प्रावधानों को तथा 55 प्रतिशत ने कई लोगों के साथ एक विमान में सवार होने को प्रमुख चिंता माना।'' सर्वेक्षण में शामिल लगभग 54 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे अगले तीन महीनों में यात्रा करना चाहते हैं। भारत ने कोरोना वायरस महामारी के कारण दो महीने के अंतराल के बाद 25 मई से घरेलू यात्री उड़ानों को फिर से शुरू किया है। हालांकि, विमानन कंपनियों को महामारी से पहले की घरेलू उड़ानों के अधिकतम 45 प्रतिशत का संचालन करने की अनुमति दी गयी है। इंडिगो के सर्वेक्षण में कहा गया, लगभग 38 प्रतिशत यात्री अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर विचार कर रहे हैं, जबकि 62 प्रतिशत निकट भविष्य में सिर्फ घरेलू यात्रा पर ध्यान केंद्रित करेंगे। 27 प्रतिशत लोग घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा के मिश्रण पर विचार कर रहे हैं और 11 प्रतिशत सिर्फ अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इंडिगो के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विलियम बॉल्टर ने कहा, यह खुशी की बात है कि लगभग 65 प्रतिशत यात्रियों ने स्वच्छ और सुरक्षित यात्रा अनुभव देने के लिये इंडिगो पर भरोसा किया है।'

इन्फोसिस के निवेशकों पर नोटों की बारिश, एक घंटे में कमाए 50 हजार करोड़ रुपए

नई दिल्ली । कोविड 19 का असर बेशक सभी सेक्टरों पर पड़ा है लेकिन आज इंफोसिस के निवेशकों की बल्ले बल्ले हो गई। कंपनी के शेयरों में आए उछाल के कारण एक घंटे में निवेशकों ने 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक कमा लिए। कंपनी के शेयरों में 15 प्रतिशत का जोरदार उछाल आया है। दरअसल इन्फोसिस ने बुधवार को अपने तिमाही नतीजों की घोषणा की थी जो अनुमान से कहीं बेहतर रहे हैं। कोरोना वायरस संकट के बावजूद अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का मुनाफा 12.4 फीसदी बढ़कर 4,233 करोड़ रुपये रहा। इस खबर के बाद कंपनी के शेयर में जोरदार तेजी आई है। आज कंपनी का शेयर बीएसई में 14.49 प्रतिशत की तेजी के साथ एक साल के ऊपरी स्तर पर था। इस दौरान एनएसई पर शेयर 14.98 प्रतिशत की तेजी के साथ 955.50 पर थे। कल अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिकी बाजार डाउ जोंस 0.85 फीसदी की बढ़त के साथ 227.51 अंक ऊपर 26,870.10 पर बंद हुआ था। वहीं, अमेरिका के दूसरे बाजार नैस्डैक 0.59 फीसदी बढ़त केसाथ 61.91 अंक ऊपर 10,550.50 पर बंद हुआ था। साथ 61.91 अंक ऊपर 10,550.50 पर बंद हुआ था। दूसरी तरफ, एसएंडपी 0.91 फीसदी बढ़त के साथ 29.04 पॉइंट ऊपर 3,226.56 पर बंद हुआ था।

भारत, यूरोपीय का रिश्तों को नई ऊंचाई देने का संकल्प, व्यापार मुद्दों करेंगे उच्च स्तरीय वार्ता

नयी दिल्ली।

भारत और 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ (ईयू) ने बुधवार को व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिये उच्च स्तर पर बातचीत शुरू करने का निर्णय किया। साथ ही दोनों पक्षों ने रक्षा, परमाणु ऊर्जा और स्वास्थ्य समेत विभिन्न क्षेत्रों में रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प जताते हुए मुक्त व्यापार समझौते को लेकर लंबे समय से लंबित मतभेदों को दूर करने का फैसला किया। वीडियो कांफ्रेन्सिंग के जरिये हुए शिखर सम्मेलन में दोनों पक्षों ने रणनीतिक भागीदारी को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिये पंचवर्षीय रूपरेखा भी पेश किया। दोनों ने अलग से समुद्री मुद्दों पर बातचीत की व्यवस्था स्थापित करने की घोषणा की तथा पुनर्चक्रण के जरिए संसाधनों के अधिकतम उपयोग वाले चक्रीय आर्थिक मॉडल (सर्कुलर मॉडल) की दिशा में बढ़ने के लिये घोषणा पत्र जारी किया। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) विकास स्वरूप ने कहा कि भारत का चीन के साथ संबंध का मुद्दा बातचीत में आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के संबंधों के साथ सीमापर मौजूदा स्थिति के बारे में विचार साझा किये। पाकिस्तान लगातार भारत और अन्य देशों के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन कर रहा है। ये भी मुद्दा बातचीत के दौरान उठा। पंद्रहवें ईयू- भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड-19 संकट के बाद आर्थिक क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर उत्पन्न नई समस्याओं से निपटने के लिये लोकतांत्रिक देशों के बीच व्यापक सहयोग पर जोर दिया। व्यापार संबंधों पर स्वरूप ने कहा कि दोनों पक्षों ने अपनी प्रतिबद्धता जतायी और संतुलित, महत्वकांक्षी तथा द्विपक्षीय रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर काम करने को राजी हुए। व्यापार समझौते पर बातचीत अगले कुछ महीनों में शुरू हो सकती है। प्रस्तावित व्यापक व्यापार और निवेश समझौता (बीआईटीए) पर बातचीत जून 2007 में शुरू हुई। लेकिन दोनों पक्षों के बीच महत्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेदों के कारण बातचीत में अड़चनें आयीं। व्यापार समझौते पर बातचीत 2013 से अटकी हुई है। संवाददाता सम्मेलन में स्वरूप ने कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रत्यक्ष विदेश निवेश आकर्षित करने को लेकर भारत की प्राथमिकता पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार नियामकीय परिवेश को उदार बनाने को लेकर निरंतर प्रयास कर रही है। सचिव के अनुसार मोदी ने कहा, 'आत्मनिर्भर भारत अभियान का मकसद भारत में घरेलू उत्पादन को वैश्विक आपूर्तिव्यवस्था से एकीकृत करना है।' बातचीत के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि व्यापार और निवेश पर उच्च स्तरीय वार्ता का मकसद व्यापार और निवेश समझौतों पर प्रगति को आगे बढ़ाना, व्यापार को प्रभावित करने वाले मुद्दों का समाधान और दोनों पक्षों के व्यापारियों तथा निवेशकों के लिये बेहतर स्थिति बनाने के साथ आपूर्ति व्यवस्था पर चर्चा करना है। इसमें कहा गया है, ''दोनों पक्षों के नेता व्यापार और निवेश रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले जाने को सहमत हुए ताकि खासकर कोविड-19 के बाद आर्थिक पुनरूद्धार के संदर्भ में पूर्ण क्षमता का उपयोग हो और दोनों पक्षों को सतत वृद्धि तथा रोजगार को मदद मिले।'' यह पूछे जाने पर कि बातचीत के दौरान क्या जम्मू कश्मीर और नागरिकता संशोधन कानून के संदर्भ में मानवाधिकार का मुद्दा उठा, स्वरूप ने कहा कि यूरोपीय संघ की तरफ से इसका जिक्र किया गया और उन्होंने इसके समाधान के लिये भारतीय संस्थानों के प्रति भरोसा जताया। आतंकवाद के मुद्दे पर दोनों पक्षों ने विभिन्न रूपों में आतंकवाद और उसके वित्त पोषण समेत उसके सभी रूपों से निपटने को लेकर मजबूत प्रतिबद्धता जतायी। दोनों पक्षों ने संगठित अपराध और आतंकवाद को रोकने तथा निपटने के लिये भारत और यूरोपीय संघ के सदस्य देशों की जांच एजेंसियों की मदद को लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और यूरोपोल के बीच कामकाज की व्यवस्था को लेकर बातचीत शुरू होने का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में दोनों पक्षों के बीच समयबद्ध तरीके से संबंधों के आगे और विस्तार के लिए एक ''कार्रवाई- उन्मुख'' एजेंडा तैयार किये जाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री कहा कि वह ईयू के साथ भारत के संबंधों को बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि आपसी रिश्तों को बढ़ावा देने के लिये एक दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिये। उन्होंने ईयू और भारत को 'स्वाभाविक भागीदार' बताते हुये ।

जियो का सस्ता स्मार्टफोन चीन के लिए खतरे की घंटी!

बिजनेस डेस्क।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल)के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने भारतीय बाजार में सस्ते स्मार्टफोन फोन लाने की पहले से तैयारियां कर और इसमें मदद के लिए दिग्गज कंपनियों को जियो प्लेटफॉर्म्स के मंच पर एक साथ लाकर यह ऐलान किया है जो भारतीय स्मार्टफोन बाजार में धाक जमाये बैठी चीनी कंपनियों के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। वर्तमान माहौल में जब गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच आए संबंधों के अत्यंत तनावपूर्ण होने से जियो का सस्ता स्मार्टफोन चीनी कंपनियों के लिए जबर्दस्त चुनौती साबित हो सकता है। गलवान घटना के बाद देश में चीन को लेकर बहुत गुस्सा है और चीनी सामान के बहिष्कार की मुहिम लोगों ने स्वत- स्फूर्त जगह-जगह चलाई हुई है। अंबानी ने बुधवार को रिलायंस की.43 वीं एजीएम में सोशल मीडिया की दिग्गज गूगल के जियो प्लेटफॉर्म्स में 33737 करोड़ रुपये में 7.73 प्रतिशत इक्विटी देने के साथ ही भारतीय दूरसंचार क्षेत्र को 2जी मुक्त कराने और 4जी और 5जी सस्ते स्मार्टफोन फोन उतारने की भी घोषणा की। अंबानी ने अगले तीन वर्ष में रिलायंस जियो के उपभोक्ताओं को पचास करोड़ पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अब सस्ता स्मार्टफोन लाकर अंबानी की नजर 35 करोड 2जी उपभोक्ताओं में से ज्यादा से ज्यादा को जियो के पाले में लाने पर होगी। अंबानी की इस घोषणा के पीछे काफी समय से बन रही रणनीति और इसी के तहत जियो प्लेटफॉर्म्स में अपने अपने क्षेत्र की दिग्गजों को साझीदार के तौर पर लाया गया है। मसलन क्वालकॉम और इंटेल सेमीकंडक्टर या चिप बनाने के महारथी हैं तो गूगल के साथ मिलकर ऑपरेटिंग सिस्टम यानी (ओएस) विकसित किया जा जायेगा। जियो स्वयं एप्स के मामले में आत्मनिर्भर है और फेसबुक के साथ आने से व्हाट्सएप और फेसबुक सरीखे एप भी उसकी पकड़ में आ गए है। जियो फोन बनाने की निपुणता पहले से ही रिलायंस के पास है। इन सबके एक साथ आ जाने से जियो बहुत आसानी से एक सस्ता 4जी 5जी स्मार्टफोन बाजार में ला सकेगा, इसमें कोई शंका नहीं रह जाती क्योंकि सभी एक साथ है तो मुनाफा अलग अलग न बंटकर एक जगह आएगा जिससे लागत कम रहेगी और आसानी से भी किसी को टक्कर दी जा सकेगी। जिससे लागत कम रहेगी और किसी को टक्कर दी जा सकेगी।

बिल गेट्स को भारत पर भरोसा, बोले- दुनिया को महामारी से बचा सकता है यह देश

बिजनेस डेस्क।

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने कहा कि भारतीय दवा उद्योग देश के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए कोविड-19 की वैक्सीन बनाने में सक्षम है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-प्रमुख और न्यासी ने कहा कि भारत में कई बेहद महत्वपूर्ण चीजें हुई हैं और इसका दवा उद्योग कोरोना वायरस की वैक्सीन बनाने के लिए काम कर रहा है। 'कोविड-19: वायरस के खिलाफ भारत की लड़ाई' नामक वृत्तचित्र में उन्होंने कहा कि भारत को अपनी विशाल आबादी और शहरी केंद्रों के कारण स्वास्थ्य संकट की एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इस वृत्तचित्र को डिस्कवरी प्लस चैनल पर वीरवार शाम प्रसारित किया जाएगा। भारत के दवा उद्योग की क्षमताओं के बारे में उन्होंने कहा कि भारत में बहुत अधिक क्षमता है। यहां की दवा और वैक्सीन कंपनियां पूरी दुनिया के लिए विशाल आपूर्तिकर्ता हैं। बिल गेट्स ने कहा कि आप जानते हैं, भारत में सबसे अधिक टीके बनाए जाते हैं। यहां बायो ई, भारत बायोटेक, कई अन्य हैं, जो कोरोना वायरस वैक्सीन बनाने में मदद के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कि मैं उत्साहित हूं कि वहां का दवा उद्योग न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए (वैक्सीन का) उत्पादन कर सकेगा। हमें मौत के आंकड़ों को कम करने, और यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि इस बीमारी को खत्म करने की प्रतिरक्षा हमारे अंदर है। गेट्स ने कहा कि बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन भी सरकार की एक साझेदार हऔर यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि इस बीमारी को खत्म करने की प्रतिरक्षा हमारे अंदर है।

सार्वभौमिक मूलभूत आय के बाद भी संकट में अतिक्त उपाय करने होंगे : व्यय सचिव

नयी दिल्ली।

व्यय सचिव टीवी सोमनाथन ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी के समय लोगों को सरकार मदद और सार्वभौमिक मूलभूत आय (यूबीआई) की अवधारणा को अलग अलग देखा जाना चाहिए क्योंकि यूबीआई होने के बावजूद सरकार को और कदम उठाने पड़ेंगे। उन्होंने नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायडउ एकोनोमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के कार्यक्रम इंडिया पॉलिसी फोरम, 2020 में कहा, ''महामारी में सरकार से अपपेक्षा होती है कि जो दिया जा रहा है, सरकार उससे कुछ और ज्यादा दे। इसीलिए मैं केवल इतना कह रहा हूं कि यूबीआई को विशेष आपदा या महामारी जैसी घटनाओं से नहीं जोड़ा जाना चाहिए.... क्योंकि महामारी या इस प्रकार की घटनाओं के लिये यह जवाब नहीं बनने जा रहा।'' सचिव ने कहा कि जिन देशों में मजबूत सुरक्षा व्यवस्था है और उल्लेखनीय रूप से सार्वभौमिक मूलभूत आय का प्रावधान है, उन्हें भी और कदम उठाने पड़ते हैं। उन्होंने यह बात ऐसे समय कही है, जब विशेषज्ञ कोविड-19 संकट से प्रभावित लोगों को न्यूनतम आय सुनिश्चित करने को लेकर यूबीआई जैसी व्यवस्था पर जोर दे रहे हैं। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अभिजीत बनर्जी ने कहा कि हालांकि यूबीआई कोविड-19 संकट का समाधान सीधे तौर पर नहीं है लेकिन धन भेजने के उपाय के रूप में रास्ता खोलना महत्वपूर्ण है। एनसीएईआर के इसी कार्यक्रम में आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा कि अर्थव्यवस्था को गति देने के लिये सरकार को लाभदायक कंपनियों पर खर्च को लेकर ध्यान देना चाहिए। ये कंपनियां लागत तो उठा रही हैं लेकिन पिछले चार महीनों से राजस्व अर्जित नहीं कर पायीं। उन्होंने कहा कि सामान्य मंदी के विपरीत महामारी में काफी नुकसान होता है। यह नुकसान परिवार के स्तर पर और कंपनियों के स्तर पर भी होता है।

इसी को देखते हुए प्रोत्साहन पैकेज के साथ राहत उपायों और चीजों को दुरूस्त करने की जरूरत होती है। जब व्यय सचिव ने पूछा कि उनके हिसाब से चीजों को दूरूस्त करने और इस खर्च के साथ राजकोषीय घाटा का उपयुक्त स्तर क्या हो सकता है, इस पर राजन ने कहा कि यह जरूरी है कि दीर्घकाल में अर्थव्यवस्था को गति देने के लिये लाभदायक कंपनियों पर खर्च किये जाएं। उन्होंने कहा, ''उनका यह कहना नहीं है कि कुछ भी खर्च किया जाए और खजाना खोल दिया जाए। वास्तव में हमें उन कंपनियों पर खर्च करने की जरूरत है ।

बड़े बैंक में बदले मिनिमम बैलेंस और लेनदेन के नियम, इस दिन से होंगे लागू

नई दिल्ली । कई बड़े बैंकों ने अपनी नकदी संतुलन और डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ाने के लिए मिनिमम बैलेंस और लेनदेन के नियम बदल दिए हैं। अगस्त महीने की पहली तारीख से ये सभी नियम लागू हो जाएंगे। इन बैंकों में 1 अगस्त से न्यूनतम बैलेंस पर चार्ज लगाने की घोषणा भी की गई है। साथ ही इन बैंकों में तीन मुफ्त लेनदेन के बाद शुल्क भी वसूला जाएगा। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और आरबीएल बैंक में यह चार्ज एक अगस्त से प्रभावी हो जाएंगे। बड़ी खबर! इन बैंकों में मिनिमम बैलेंस और लेनदेन के नियम बदले, 1 अगस्त से होंगे लागूबैंक ऑफ महाराष्ट्र में बचत खाता धारकों को मेट्रो और शहरी क्षेत्रों में अपने अकाउंट में न्यूनतम राशि 2,000 रुपए रखनी होगी जो पहले 1,500 रुपए था। 2,000 रुपए से कम बैलेंस होने पर बैंक मेट्रो और शहरी क्षेत्रों में 75 रुपए, अर्ध-शहरी क्षेत्र में 50 रुपये और ग्रामीण क्षेत्र में 20 रुपए प्रति माह की दर से शुल्क लेगा। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के एमडी और सीईओ, एएस राजीव ने कहा कि बैंक इस समय कोरोना संक्रमण के कारण डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने और बैंक में कम से कम लोगों के आने के लिए यह सब कर रहा है। बैंक सर्विस चार्ज में भी कुछ बदलाव किए हैं। बैंक ऑफ महाराष्ट्र की सभी ब्रांच में एक महीने में तीन मुफ्त लेनदेन के बाद जमा और निकासी पर 100 रुपए तक का शुल्क लगेगा। साथ लॉकर के लिए जमा की राशि को कम कर दिया गया है लेकिन लॉकर पर पेनाल्टी को बढ़ा दिया गया है। बैंक खाताधारकों को अब श्रेष्ट्स ट्रांजेक्शन पर 25 रुपए हर ट्रांजेक्शन पर देना होगा। श्रेष्ट्स ट्रांजेक्शन पर पहले कोई शुल्क नहीं लगता था। निजी बैंक ने 10 रुपए/20 रुपए और 50 रुपए के बंडल पर 100 रुपए प्रति बंडल हैंडलिंग शुल्क पेश किया है। महिंद्रा बैंक में बचत और कॉर्पोरेट वेतन खाताधारकों को डेबिट कार्ड-एटीएम से महीने में पांच बार पैसे निकालने के बाद 20 रुपए प्रति नकद निकासी और गैर-वित्तीय लेनदेन पर 8.5 रुपए शुल्क लगेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

ग्रुप मैचों के साथ कतर में बहाल होगी एशियाई चैम्पियंस लीग

कुआलालंपुर । एशियाई चैम्पियंस लीग सात महीने बाद बहाल होने के लिए तैयार है और गुरूवार को कतर ने सेमीफाइनल तक पश्चिमी क्षेत्र के सभी मैचों की मेजबानी करने की घोषणा की। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने कहा कि 16 टीमें कतर के केंद्रीकृत स्थल जायेंगी और 14 सितंबर से शुरू होने वाले ग्रुप चरण को पूरा करेंगी। इन टीमों में सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से चार-चार टीमें भी शामिल हैं। कोरोना वायरस महामारी के कारण फरवरी के बाद से एशिया के शीर्ष क्लब टूर्नामेंट के मुकाबले नहीं खेले गए हैं। ग्रुप चरण से आगे बढ़ने वाली टीमें कतर में ही रहेंगी और राउंड 16 से तीन अक्टूबर को होने वाले पश्चिमी क्षेत्र के सेमीफाइनल तक एक चरण के नाकआउट मैच खेलेंगी। इन 39 मैचों से पश्चिमी क्षेत्र से फाइनल की एक टीम तय होगी। एएफसी ने कहा कि टूर्नामेंट के दूसरे हाफ के आयोजन के लिए पूर्वी एशिया से दिलचस्पी दिखाने वाले संभावित मेजबान देश को 24 जुलाई तक अपनी दावेदारी सौंपनी होगी। एशियाई चैम्पियंस लीग के पूर्वी क्षेत्र ग्रुप में आस्ट्रेलिया, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया की टीमें शामिल हैं।

निशानेबाजी राष्ट्रीय शिविर एक अगस्त से होगा बहाल, खिलाड़ियों का हिस्सा लेना होगा अनिवार्य

नई दिल्ली ।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने गुरूवार को घोषणा की कि 34 भारतीय निशानेबाजों के ओलंपिक कोर ग्रुप का ट्रेनिंग शिविर एक अगस्त से शुरू होगा और इसमें सभी का हिस्सा लेना अनिवार्य होगा। एनआरएआई ने कहा कि उसका लक्ष्य अगले महीने से सतर्क और चरणबद्ध तरीके से गतिविधियों को शुरू करना है। विस्तृत बयान में एनआरएआई ने कहा कि ट्रेनिंग बहाल करने का फैसला संचालन परिषद की बैठक में कोविड-19 खतरे पर चर्चा के बाद किया गया। शिविर राष्ट्रीय राजधानी में डा. कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में आयोजित किया जायेगा। राजधानी में अभी तक एक लाख से ज्यादा पॉजिटिव मामले सामने आ चुके हैं। एनआरएआई ने हाई परफोरमेंस मैनेजर और पूर्व भारतीय निशानेबाज रौनक पंडित को शिविर में स्वच्छता और चिकित्सा प्रोटोकॉल के लिये प्रभारी नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। एनआरएआई ने बयान में कहा, 'इस शिविर के लिए सभी निशानेबाजों की हिस्सेदारी अनिवार्य होगी क्योंकि वैश्विक स्तर पर कोविड-19 महामारी से उत्पन्न हुई अपरिहार्य परिस्थितियों के अनुसार एनआरएआई के पास उदार होने के विकल्प लगभग शून्य हैं। उन्होंने कहा, 'इसलिए फैसला किया गया कि पसंद और निजी हितों के विकल्प को अनिवार्य रूप से राष्ट्रीय हित के सामने दूर रख देना चाहिए। कर्णी सिंह रेंज को आठ जुलाई को इस्तेमाल के लिये खोला गया था। सुविधाओं के इस महामारी के कारण बंद होने से निशानेबाज अपने संबंधित बेस पर ही ट्रेनिंग में जुटे थे। एनआरएआई अध्यक्ष रनिंदर सिंह ने कहा, 'कड़े और सुरक्षित हालात मुहैया कराने के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाने की जरूरत है। खिलाड़ियों और कोचों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोपरि है, हम इसमें जरा भी कोताही नहीं बरत सकते। एनआरएआई आज कह सकता है कि वह अगले महीने से राष्ट्रीय निशानेबाजी गतिविधियों की सतर्क और चरणबद्ध बहाली के लिए पूरी तरह से तैयार है। कुल 15 भारतीय निशानेबाजों ने ओलंपिक खेलों के लिये क्वालीफाई किया है जिन्हें महामारी के चलते अगले साल तक स्थगित किया जा चुका है।

शिविर के दौरान मानव रचना यूनिवर्सिटी परिसर में कोर ग्रुप, कोच और सहयोगी स्टाफ को रखा जायेगा। एनआरएआई रेंज से परिसर और परिसर से रेंज तक आने जाने का इंतजाम करेगा।

कपिल देव का खुलासा, अधिकारी की बात दिल को चुभी और तेज गेंदबाज बनने की ठान ली

स्पोर्ट्स डेस्क ।

भारत को वर्ल्ड कप जिताने वाले पूर्व कप्तान कपिल देव ने अपने करियर को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि वह शुरू से ही तेज गेंदबाज थे लेकिन इस बात को उन्होंने तवज्जो उस वक्त दी जब एक अधिकारी से झगड़ा हुआ था। दरअसल, अधिकारी ने उनकी तेज गेंदबाजी पर सवाल उठाए थे और जिसके बाद उन्होंने तेज गेंदबाज बनने की ठान ली। कपिल देव ने महिला टीम के मौजूदा कोच डब्ल्यूवी रमन के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि वह हमेशा से तेज गेंदबाज ही थे लेकिन इसे लेकर ज्यादा गंभीर नहीं थे। उन्होंने कहा कि कई बार कैंप के दौरान अधिकारी सख्ती से पेश आते थे। एक बार मेरी एक अधिकारी से बहस हो गई। उस अधिकारी ने गुस्से में मुझसे पूछा कि मैं क्या करता हूं। मैंने जवाब दिया कि मैं तेज गेंदबाज हूं। इस पर उन्होंने गुस्से में मुझसे कहा कि भारत में कभी कोई तेज गेंदबाज नहीं रहा। कपिल देव ने कहा कि अधिकारी की ये बात उनके दिल को चुभ गई और उन्होंने तय किया कि वह अब तेज गेंदबाज बनकर सबको गलत साबित करेंगे। कपिल ने अपने करियर में सिर्फ गेंद से ही नहीं बल्कि बल्ले से भी कमाल किया। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने एक बार कहा था कि कपिल की कामयाबी ने भारत के युवाओं को दिखाया कि बतौर तेज गेंदबाज भी कामयाबी हासिल की जा सकती है।

नस्लवाद के मुद्दे पर हाशिम अमला ने तोड़ी चुप्पी, दिया बड़ा बयान

स्पोर्ट्स डेस्क। अपनी बल्लेबाजी से टीम को कई मैच जीताने वाले साउथ अफ्रीका के दिग्गज सलामी बल्लेबाज हाशिम अमला ने अश्वेत तेज गेंदबाज लुंगी नगीदी के ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन का समर्थन किया। बता दें, अमला कुछ साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। दरअसल, अमला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर करते हुए एक लेख लिखा, इस्लामिक परंपरा में यह माना जाता है पहला इंसान एडम अश्वेत था इसलिए पूरी इंसानियत को इस गर्व करने वाली विरासत से संबंध है और इसलिए अश्वेत होने में किसी तरह की हिचक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लिखा, यह उन लोगों के लिए चीजें स्पष्ट कर देती है जो सोचते हैं कि श्वेत, अश्वेतों पर हावी हैं या अश्वेत, श्वेतों पर हावी हैं, या एक राष्ट्रीयता दूसरी से बढ़कर है, यह सिर्फ भ्रम है। हां, यह सही है.. भ्रम के सिवाय कुछ नहीं। अमला ने कहा, हालांकि हम में से ज्यादातर लोगों ने जिसमें मैं भी शामिल हूं, इस भ्रम का सामना किया है और हमारे पास बताने के लिए कई अजीब कहानियां हैं, इसलिए युवा लुंगी एंगिदी का इसका प्रतिनिधित्व करना काबिल-ए-तारीफ है। धन्यवाद दोस्त और उन सभी को भी जो अपने तरीके से इस काम में शामिल हुए। उन्होंने कहा, मैं अपने लिए बोलता हूं और जो लोग इस बात को मानते हैं कि नस्लीय होना अपने लिए और समाज में हो रहे बदलाव के लिए दुखदाई है। उन्होंने कहा, इस देश में कई उत्पीड़ित लोग हैं और पूरे विश्व में सभी रंगों, सभी तरह की जिंदगी जीने वाले लोग हैं, जिसमें क्रिकेट भी शामिल है। हालांकि काली चमड़ी वाले लोगों को बहुत कुछ झेलना बहुत कुछ झेलना पड़ता है। उन्होंने कहा, सभी के लिए न्याय ही असल मायने में न्याय है, जो लोगों की जिंदगी में शांति ला सकता है बाकी सब दुर्भाग्यवश भ्रम है।

आईपीएल 2020 को लेकर सामने आई बड़ी जानकारी, कब और कहां हो सकता है टूर्नामेंट

स्पोर्ट्स डेस्क ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 13वां सीजन 29 मार्च से शुरू होना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा था। अब इस बड़े टी20 टर्नामेंट के सितम्बर में दुबई में होने की खबरें सामने आई हैं। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम के प्रैक्टिस शिविर के लिए दुबई जानकारी की खबरें सामने आई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस सप्ताह की शुरुआत में आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों की बैठक हुई थी और इस साल आईपीएल को लेकर उनके पास कोई योजना नहीं थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बीसीसीआई सितंबर-नवंबर को आईपीएल के देख रहा है। गांगुली ने पहले कहा था कि भारत में आईपीएल की मेजबानी करना प्राथमिकता है, लेकिन अगर स्थिति में सुधार नहीं होता है, तो बोर्ड देश से बाहर जाने में संकोच नहीं करेगा। कोरोना वायरस प्रोटोकाल के तहत, यूएई में अगर आईपीएल होता है तो मैच खाली स्टेडियमों में होंगे।

लेकिन रिपोर्ट की मानें तो आईपीएल लोग टीवी पर अधिक देखते हैं ऐसे में इस बात से कम ही फर्क पड़ता है कि मैच खाली मैदान में होंगे या दर्शकों के भरे स्टेडियम में। मध्य पूर्व देश बीसीसीआई को एक स्थल के रूप में सूट करता है। दुबई, शारजाह और अबू धाबी में स्टेडियम एक दूसरे से दूर नहीं हैं और खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रसारण अधिकारियों के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। टूर्नामेंट शुरू होने से एक महीने पहले आईपीएल टीमों के यूएई में पहुंचने की उम्मीद है। एक टीम के मालिक ने कहा, हमें तैयार होने के लिए एक महीने की जरूरत है लेकिन विदेशी खिलाड़ी खेलने के लिए तैयार होंगे। एशिया कप, जोकि सितम्बर में होने वाला था उसे स्थगित कर दिया गया है। ऐसे में अब बीसीसीआई की नजर आईसीसी के टी20 वर्ल्ड कप के फैसले पर है। अगर आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप को स्थगित करता है तो आईपीएल होने की पूरी संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी फर्राटा धाविका स्टीवेंस ने डोप टेस्ट देने से किया इंकार, लगा 18 महीने का बैन

मोनाको । ओलंपिक फाइनल खेलने वाली फर्राटा धाविका डीजा स्टीवेंस पर डोप टेस्ट नहीं देने के कारण गुरूवार को 18 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया और अब वह तोक्यो ओलंपिक नहीं खेल सकेंगी। एथलेटिक्स इंडीग्रिटी यूनिट ने कहा कि स्टीवेंस 2019 में ओरेगोन और वेस्ट हॉलीवुड में हुए तीनों डोप टेस्ट में नहीं पहुंची थी। एक साल में तीन बार टेस्ट नहीं देने से प्रतिबंध लगता है। उनका प्रतिबंध 17 फरवरी 2020 से लागू हुआ और तोक्यो ओलंपिक 2021 के समापन समारोह के बाद तक जारी रहेगा। स्टीवेंस ने कहा कि फोन में खराबी की वजह से दो बार अधिकारी उनसे संपर्क नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि एक बार उनके फोन की बैटरी खत्म हो गई थी जबकि एक बार फोन पर किसी के बार बार परेशान करने के कारण उन्होंने नंबर बदल लिया था। वह खेल पंचाट में इस प्रतिबंध के खिलाफ अपील कर सकती है।

आर्चर के प्रोटोकॉल तोड़ने पर भड़के पूर्व कप्तान, ये बहुत ही बेवकूफाना है

मैनचेस्टर । पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने जोफा आर्चर के जैव सुरक्षित प्रोटोकॉल उल्लंघन को 'मूर्खतापूर्ण करार दिया क्योंकि उनके गैर जिम्मेदाराना कदम से गुरूवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले टीम की योजना गड़बड़ा गई। आर्चर को टीम के जैव सुरक्षित प्रोटोकॉल को तोड़ने के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया और अब उन्हें पांच दिन के पृथकवास के दौरान कोविड-19 के दो परीक्षण कराने होंगे। आर्चर ने इस गलती के लिए माफी मांगी है, हालांकि गलती का जिक्र इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के बयान में नहीं किया गया है लेकिन 'बीबीसी टेस्ट मैच स्पेशल के अनुसार यह तेज गेंदबाज पहले टेस्ट के बाद ब्राइटन में अपने घर गया था। एथरटन ने कहा, 'यह कई कारणों से बहुत ही बेवकूफाना है। पहली बात, इससे उसने टीम में स्थान गंवा दिया। दूसरा इससे इंग्लैंड की योजना गड़बड़ा गई, यह महत्वपूर्ण टेस्ट है जिसमें उनका जीतना जरूरी है तभी वे इस श्रृंखला को जीतने की कोशिश कर सकते हैं। तीसरा कारण ईसीबी ने अभी तक जो काम किया, उसने उसे जोखिम में डाल दिया। इन 6 टेस्ट मैचों, वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन और पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट के लिए उन्हें काफी काम करना पड़ा है।

कोरोना वायरस परीक्षण में नेगेटिव आने के बाद पाकिस्तानी टीम से जुड़ा क्रिकेटर

लंदन । पाकिस्तान के एक क्रिकेटर को कोरोना वायरस परीक्षण में नेगिटिव पाए जाने के बाद इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान टीम से जुड़ने की स्वीकृति मिल गई है। इंग्लैंड ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इस खिलाड़ी की पहचान उजागर नहीं की गई है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बताया कि यह खिलाड़ी पूर्व में हुए कोरोना वायरस संक्रमण के असर के कारण पॉजिटिव पाया गया था। ब्रिटेन में आने के बाद इस खिलाड़ी को पृथक रहना पड़ा था। ईसीबी ने बयान में कहा, 'यह खिलाड़ी इसके बाद दो परीक्षण में नेगेटिव आए और इससे किसी अन्य खिलाड़ी या स्टाफ को संक्रमण का खतरा नहीं है। पाकिस्तान की टीम पिछले महीने ब्रिटेन आई थी और उसे यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने हैं।

जोफ्रा आर्चर के बाहर होने से इन 2 दिग्गज प्लेयरों को लगा झटका, बोले- यह बड़ा सदमा था

नई दिल्ली।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन और माइकल वॉन ने ओल्ड ट्रैफर्ड में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर कर दिए गए तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के साथ सहानुभूति व्यक्त की है। आर्चर ने साउथैम्पटन टेस्ट में तीन विकेट हासिल किए। यह मैच इंग्लैंड ने चार विकेट से गंवा दिया था। आर्चर ने जैव-सुरक्षित नियमों को तोड़ दिया था जिसके चलते उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया। हुसैन ने कहा- यह एक बड़ा सदमा था। आपको जैव-सुरक्षित वातावरण में रहना पड़ता है, अन्यथा खिलाड़ी संक्रमित हो सकते हैं। हम नहीं जानते कि यह जोफा का भोलापन था या उन्हें कोई गंभीर गलती हुई। हालांकि उसने माफी मांगी है, यह बहुत ही असामान्य स्थिति है जिसे हम खुद में पाते हैं। उसने गलती की है और इसके लिए माफी मांगी है। उनकी टीम के साथी और कप्तान निराश होंगे। वह एक शानदार गेंदबाज हैं और साउथम्पटन में वास्तव में उसने अच्छी गेंदबाजी की थी। माइकल वॉन ने कहा- यह इंग्लैंड के लिए एक झटका है, जोफा शानदार क्रिकेटर है। इंग्लैंड के लिए अब श्रृंखला में वापस आना मुश्किल हो जाएगा। इस बीच, ईसीबी का कहना है कि उन्होंने इस मुद्दे के बारे में सभी खिलाड़ियों को सूचित कर दिया है। सभी उपायों से संतुष्ट हैं। आर्चर नियम तोडने के कारण अब पांच दिन आइसोलेशन में रहेंगे। उनके दो टेस्ट होंगे। वहीं, आर्चर ने अपने किए पर माफी मांगी है। उनका कहना है- मैंने जो किया मैं उसके लिए माफी मांगता हूं। मैंने जो किया उससे मैंने सिर्फ खुद को ही नहीं बल्कि पूरी टीम और मैनेजमेंट को खतरे में डाल दिया है। मुझे इसके लिए जो सजा दी गई है मैं उसे स्वीकार करता हूं और जैव-सुरक्षा बबल के अंदर रह रहे सभी लोगों से माफी मांगता हूं।

भाग्यशाली हूं कि सविता-रजनी के मार्गदर्शन में खेल रही हूं : खरिबम

नई दिल्ली ।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की गोलकीपर बिच्छू देवी खरिबम का कहना है कि वह भाग्यशाली हैं जिन्हें सविता और रजनी एतिमारपु जैसी अनुभवी गोलकीपर के साथ खेलने और खेल के प्रमुख पहलुओं को जानने का मौका मिला है। 19 वर्षीय खरिबम ने वर्ष 2018 में ब्यूनस आयर्स में हुए तीसरे युवा ओलंपिक गेम्स में रजत पदक और पिछले साल डबलिन में हुए नेशन जूनियर महिला इंविटेशनल टूर्नामेंट में गोलकीपर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। उन्हें पिछले साल नवंबर से लगातार सीनियर राष्ट्रीय शिविर में जगह दी गई है। खरिबम ने कहा- मैं बेंगलुरु में सीनियर राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास सत्र का लगातार आनंद लेती हूं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं जिसे सविता और रजनी जैसी सीनियर गोलकीपर के मार्गदर्शन में खेलने का अवसर मिला। मैंने उनके काम करने के तरीके और अपने खेल में सुधार लाने के लिए नई तकनीक सीखी है। सविता और रानी हमेशा मेरी मदद करती हैं और मैं उनसे खेल को लेकर कोई भी शंका होने पर बात करती हूं। खरिबम ने कहा कि पिछले साल जुलाई में डच की गोलकीपर विशेषज्ञ मार्टिन ड्रिवर के नेतृत्व में विशेष गोलकीपिंग शिविर से उन्हें उनके कौशल को सुधारने में मदद मिली। पिछले साल विशेष गोलकीपिंग शिविर में मार्टिन से सीखकर काफी अच्छा लगा। हमने विशिष्ट गोलकीपिंग कौशल पर काम किया जिससे मुझे गोलकीपर के तौर पर खुद को विकसित करने में मदद मिली। गोलकीपर ने कहा- मेरा भारत के लिए एक दिन खेलने का सपना है। मुझे गोलकीपर के तौर पर खुद को विकसित करने में मदद मिली। गोलकीपर ने कहा- मेरा भारत के लिए एक दिन खेलने का सपना है। मुझे अपने जूनियर टीम के करियर में काफी अनुभव हासिल हुआ। मुझे तीसरे युवा ओलंपिक खेल की टीम में शामिल होने से काफी आत्मविश्वास मिला। यह अब तक मेरे करियर का शीर्ष पड़ाव है। मुझे सीनियर राष्ट्रीय शिविर में शामिल होकर काफी खुशी हो रही है।

वर्चुअल ग्रीष्मकालीन महोत्सव में हिस्सा लेंगे सानिया, ओसाका

नई दिल्ली। जापान की दो बार की ग्रैंडस्लैम विजेता नाओमी ओसाका और भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा 24 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपियन और पैरालंपियन के ऑनलाइन अनुभव पर आधारित वर्चुअल ग्रीष्मकालीन महोत्सव का हिस्सा होंगी। तोक्यो में होने वाले ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के 2021 तक स्थगित किए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी), अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) और एयरबीएनबी यह विशेष कार्यक्रम लेकर आ रहे हैं जिसमें खिलाड़ी पहली बार अपने अनुभवों को साझा करेंगे। यह कार्यक्रम पांच दिन तक चलेगा जिसमें कई तरह के परस्पर संवाद वाले ऑनलाइन अनुभव साझा किए जाएंगे। इन ऑनलाइन अनुभवों में ओसाका के साथ पृथकवास में अभ्यास की झलकियां, सानिया के साथ ग्रैंडस्लैम से प्रेरित प्रशिक्षण कार्यक्रम, ब्रिटिश एथलीट जॉनी ब्राउनली तथा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और तीन बार की विश्व चैंपियन एलिसन फेलिक्स के साथ बातचीत शामिल होगी।

टूटी स्टिक से शुरू किया खेल, धनराज पिल्लै ने बदल दिया भारतीय हॉकी का चेहरा

स्पोर्ट्स डेस्क।

टीम इंडिया के पूर्व हॉकी कप्तान धनराज पिल्लै आज अपना 52वां जन्मदिन मना रहे है। हॉकी में भारत की रीड की हड्डी कहे जाने वाले पिल्लै एक शानदार फॉरवर्ड थे। फुर्ती और विपक्षी टीम को छकाने की कला धनराज को खूब आती थी। तो चलिए आज हम आपको उनके बारें में कुछ खास बातों से रूबरू करवाने जा रहे है। धनराज ने हॉकी का शुरु से काफी शौक था और उन्होंने कॉलोनी के मित्रों के साथ ओएफके मैदान की नरम और धूल-भरी सतह पर टूटी हुई लकड़ियों तथा हॉकी की फेंकी हुई गेंदों के साथ खेलते हुए सीखा और अपनी सफलता का सारा श्रेय अपनी माँ को दिया। जिन्होंने बेहद गरीब होने के बावजूद अपने पांचों बेटों को हॉकी खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। दरअसल, धनराज पिल्लै का करियर दिसंबर 1989 से अगस्त 2004 तक रहा और इस दौरान उन्होंने 339 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वे एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिसने चार ओलंपिक खेलों (1992, 1996, 2000 और 2004) चार विश्व कप ,चार चैंपियंस ट्राफी ,चार एशियाई खेल में भाग लिया है। भारत ने उनकी कप्तानी के तहत एशियाई खेल (1998) और एशिया कप (2003) में जीत हासिल की। सिडनी में 1994 के विश्व कप के दौरान वर्ल्ड इलेवन में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी थे। वर्ष 1999-2000 में उन्हें भारत के सर्वोच्च खेल पुरस्कार राजीव गांधी खेल रत्न से सम्मानित किया गया। वर्ष 2000 में उन्हें नागरिक सम्मान पद्म श्री प्रदान किया गया। 2002 एशियाई खेलों की विजेता हॉकी टीम के सफल कप्तान थे। कोलोन, जर्मनी में आयोजित 2002 चैंपियंस ट्रॉफी में उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार प्रदान किया गया। कोलोन, जर्मनी में आयोजित 2002 चैंपियंस ट्रॉफी में उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार प्रदान किया गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

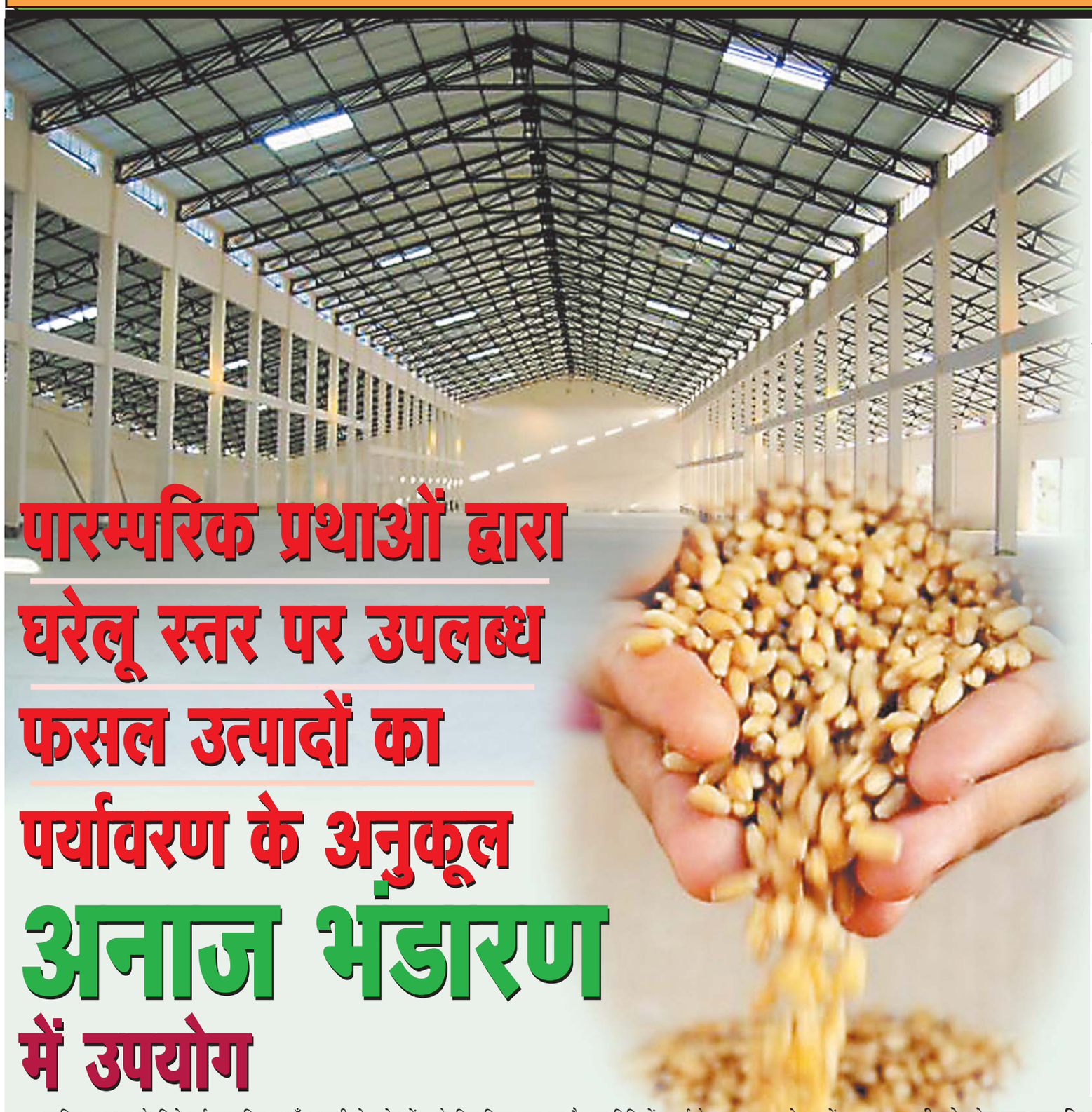

पारम्परिक प्रथाओं द्वारा घरेलू स्तर पर उपलब्ध फसल उत्पादों का पर्यावरण के अनुकूल अनाज भंडारण में उपयोग

खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) का अनुमान है कि वैष्विक खाद्य उत्पादन में 2030 तक 40 प्रतिशत तथा 2050 तक 70 प्रतिशत तक बढ़ाने की आवश्यकता है। भारत में अनाज और तिलहन की फसलों में 10 से 20 प्रतिशत तक का नुकसान अनुमानित है। सरकारी रिकार्ड के अनुसार, अकेले साल 2010 में सरकारी गोदामों में 11,700 टन भण्डारित खाद्यान्न सड़ जाने से भारत को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा है । अनाज की खपत की भारी मांग और उसके महत्व को ध्यान में रखते हुए अनाज के उचित भंडारण को नकारा नहीं जा सकता।

सुरक्षित भण्डारण के लिये कई पारम्परिक प्रथाएँ आसानी से प्रयोग में लाई जाती है व काफी किफायती और वातावरण के अनुकूल है। ये प्रक्रियाएं आमतौर पर स्थानीय रुप से उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित होती है। घरेलू स्तर पर अधिकतम प्रयोग में लाए जाने वाली पारम्परिक प्रथाओं की सूचि का यहाँ विवरण किया गया है। इसके अलावा खाद्यानों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू स्तर पर भण्डारण प्रक्रिया के दौरान (40-50 प्रतिशत) नश्ट होता है (खाद्य और कृशि संगठन, 2011)। घरेलू स्तर उपर सुरक्षित भण्डारण एक जरूरी प्रक्रिया है क्योंकि कीटों एवं सूक्ष्म जैविक कारक खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं पौश्टिकता में भारी कमी का मुख्य कारण है इसके साथ-साथ ये कारक अनाजों की मात्रा में भी भारी कमी लाते है। कीटों और जैविक कारक अपने विशाक्त पदार्थों को उत्पादित कर और अपने मलमूत्र से लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव डालते है।

अनाज संकमित कीटों के प्रकार

कवक – कवक एक कोषिकीय बीजाणु है जिनमें जनन स्वत- ही होता है इसलिए इनके बीजाणुओं को पर्यावरण की पहुंच से दूर रखा जाना चाहिए ताकि ये भंडारित अनाज को संक्रमित ना कर सके। भंडाारित अनाजों में कवक संक्रमण की अवस्था को पहचानना मुष्किल है। संक्रमण का फैलाव बीजाणुओं द्वारा होता है जो वातावरण में मौजूद हवा और कीटों द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान फैलते है। दाने का कालापन और तीखी गंध, कवक संक्रमण के कुछ मुख्य लक्शण है जिससे अनाज की गुणवता, रंग और स्वाद प्रभावित होते है और खाने की वस्तुओं की पौश्टिकता में भी भारी कमी आती है। भण्डारित स्थान पर उमस और नमी का होना कवक संक्रमण का प्रमुख कारण है। अनाज को कवक के संक्रमण से बचाने के लिए पूरी तरह सूखा कर भंडारण करना ही उचित माना जाता है।

कीट– भृंग और पंतग दो मुख्य प्रकार के कीट होते है जो भण्डारित दालों और अनाजों को नुकसान पहुंचाते है। कीटों को जिंदा रहने के लिए आवश्यक सभी शर्तें भंडार गृह में अच्छी तरह से मौजूद होती है। दोनो के बच्चों को पहचानना बहुत ही मुश्किल होता है क्योंकि ये बहुत छोटे बीज के समान आकृति वाले होते है जो कि बीजों के अंदर रहकर नुकसान पहुचाँते है। टूटे हुए बीजों को भण्डारित करने से कीटों व कीड़ों को बुलावा मिलता है इसलिए कभी भी साबूत बीजों के साथ टूटे हुए बीजों को भण्डारित न करें।

चूहे –भंडारित अनाज को नुकसान पहुंचाने में चूहे भी एक प्रमुख कारण है। चूहें जूट के बने हुए थैलों में आसानी से छेद करके बीजो का काफी नुकसान पहुंचा देते है जिससे खाद्य पदार्थ की गुणवता में कमी आने से अनेक प्रकार हानिकारक बीमारियां फैलती है। चूहों की रोकथाम पिंजरों का प्रयोग कर व रासायनिक उपचार दोनो प्रकार से किया जा सकता है परन्तु पिंजरे का प्रयोग करना अधिक सार्थक माना जाता है।

तालिका 1 भंडारित अनाज के प्रमुख हानिकारक कीट

क्रं. सं.	हिन्दी नाम	संक्रमित होने वाले अनाज
1	आटा घुन	अनाज एवं अनाज उत्पादों, सुखे फलों एवं तम्बाकू
2	दलहनी घुन	राजमा सहित विभिन्न प्रकार की दाले
3	लोबिया घुन	दालें
4	लोबिया भृंग	सोयाबीन सहित विभिन्न प्रकार के दालें
5	दलहन भृंग	सोयाबीन एवं राजमा के अलावा विभिन्न प्रकार के दाले
6	धान का शल्भ	चावल, मक्का, सोयाबीन, मूँगफली, सूखे मेवे, नारियल, आटा
7	अनाज का भूरा तिलचट्टा	मक्का, गेहूँ
8	उश्ण कटिबंधीय गोदाम कीट	चावल, मक्का, मूँग की दाल, सोयाबीन, मूँगफली, सूखे मेवे, नारियल, आटा
9	अनाज का चूरा शल्भ	चावल, मक्का, गेहूँ, सोरगम
10	आस्ट्रेलियाँ गेहूँ भेदक	पौध, चावल, मक्का, सोरगम, कंदमूल
11	धान का भृंग	चावल, मक्का, गेहूँ, सोरगम, दाले
12	अंगोमोइटस अनाज पतंग	धान, गेहूँ व मक्का
13	लल आटा भृंग	सभी प्रकार की दाले व मसाले
14	लाल घुन	सभी प्रकार की दाले व मसाले

परंपरागत तरीकों द्वारा अनाज का किफायती व सुरक्षित भंडारण

स्थानीय रुप से उपलब्ध पौधे और उनके उत्पादों से अनाजों का सुरक्षित भंडारण के लिए पुराने समय से इस्तेमाल में लाया जाता रहा है। आधुनिक तौर-तरीके की तुलना में परंपरागत तौर तरीके अधिक सस्ते एवं आसानी से उपलब्ध है। प्रकृति ने मानव को कई औषधि व निरोगी गुण वाली जड़ी बुटियाँ वनस्पति के रूप में प्रदान की है जैसे-नीम, हल्दी, तुलसी इत्यादि। यहां उन्ही उत्पादों का उपयोग अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए किया गया है।

पुराने समय में भंडारण प्रक्रिया प्रत्येक समाज और देषों के क्षेत्र, गावं एवं समुदाय में अलग-अलग तरीके से हुआ करती थी। ज्यादातर देशों में उत्पादित अनाज का भंडारण बांस एवं मिट्टी के बने बास्केट, जूट के थैले में किया जाता था। यह प्रक्रियां आसानी से उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग कर इस्तेमाल में लाई जाती है।

1 धूप में सूखाकर – यह भंडारण की बहुत आसान एवं टिकाऊ विधि है लंबे समय से इसका प्रयोग अनाज में नमी, कीटों के प्रजनन में रोकथाम के लिए किया जाता रहा है। इस विधि में कटाई के बाद अनाज को धूप में सूखाकर लंबे समय के लिए उसे भंडारित कर देते है। इससे कीटों में होने वाली प्रजनन क्रिया रूक जाती है। यह विधि बड़े एवं छोटे दोनों स्तर के किसानो के लिए बहुत लाभदायी व प्रभावी है। यह प्रक्रिया अप्रैल, मई व जून के महीने में एक करने से किसी भी प्रकार के कीड़ो और कीटों पर काबू पाया जा सकता है।

2 नीम की पत्तियों का इस्तेमाल कीटों व कीड़ों के रोकथाम के रूप में – नीम की पत्तियों का इस्तेमाल कीटों व कीड़ों को भंडारित अनाज से दूर भगाने के लिए किया जाता रहा है। इसके लिए पेड़ से ताजी पत्तियों की जमा कर उन्हे छाया में सूखाकर जाता है सीधे अनाज के साथ मिलाकर, अनाज की पेटी को बंद कर दिया जाता है। यह विधि बहुत ही सस्ती, सुरक्षित एवं प्रभावी है। रागी को भण्डारित करने के लिए दक्षिणी भारतीय किसानों द्वारा नीम की पत्तियों का इस्तेमाल कर कीटों व कीड़ों से सुरक्षा के लिए किया जाता है।

3 हल्दी – एक प्रति किलों अनाज में 40 ग्राम हल्दी का चूर्ण का भी उपयोग एक अच्छे विकल्प के रुप में किया जाता है। भंडारण से पहले अनाज को हल्दी के चूर्ण के साथ हल्के हाथ से रगड़ कर आधे घटें के लिए धूप में सूखा देते है। कच्ची हल्दी का इस्तेमाल भी कीटों से सुरक्षा के लिए किया जाता है। इसके तेज गंध एवं नाषीजीव रोधीगुण के कारण कीट अनाज से दूर रहते है। यह उपचार कीटों से लम्बें समय तक सुरक्षा प्रदान करती है और खाने की दृश्टि से भी सुरक्षित है।

4 मसालों का उपयोग – ग्रामीण महिलाओं द्वारा लाल मिर्च का प्रयोग भी खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भण्डारण के लिए किया जाता रहा है। लहसुन के नाषीरोधी गुण के कारण कीड़ों के संक्रमण की संख्या को कम किया जा सकता है। लहसुन के गुच्छों को चावलों की सतह में रखकर अनाज की पेटी को अच्छे से बंद कर देते है। लहसुन की गंध के कारण कीडे पहुंच से बाहर हो जाते है इसलिए अनाज और चावलों के भंडारण में लहसुन के गुच्छों को प्रयोग किया जाता है।

5 मीठे प्रकंद का इस्तेमाल कीटों व कीड़ों की रोकथाम के लिए – 50 किलोग्राम अनाज में 1 कि. ग्रा. मीठे प्रकंद को लें, उसका चूर्ण बनाकर कपड़े से बने छोटे थैले में भर कर उसे भंडारित अनाज के साथ पेटी में रख कर बंद दें।

6 नमक का प्रयोग कीटों की रोकथाम के लिए – पुराने समय से ही नमक का उपयोग कवक एवं जीवाणुओं से बचाव के लिए किया जाता रहा है नमक कीड़ों के प्रवेश को रोकता है। 1 कि. ग्र. लाल चने के साथ करीब 200 ग्राम नमक मिलाकर जूट से बने थैले में अनाज को इकट्ठा कर उसकी अच्छे से सिलाई कर दें परन्तु यह विधि 4 या 5 महीने के लिये ही सहायक है। नमक का प्रयोग बड़े स्तर पर इमली के भण्डाण के लिए भी उपयोगी है। इस विधि में इमली को तोड़ने के बाद उसे मिट्टी से बने घड़ो के अंदर के परतों के रुप में इक्टठा कर दिया जाता है। इसके बाद 1 किलोग्राम इमली मे 10 ग्राम नमक का मिश्रण किया जाता है। यह विधि नाषीजीवों के आक्रमण जैसे भृंग, पंतगे आदि के रोकथाम में सहायक है।

7 चूना का प्रयोग कर उपचार करना – चूना नाषीजीवों को नियंत्रित करने के लिए बहुत पहले से ही प्रयोग में लाये जाने वाली विधि है। यह बहुत ही सस्ती एवं आसान उपाय है। नाषीजीवों को नियंत्रित करने के लिए, इस विधि में चूने का चूर्ण बनाकर उसे चावलों के साथ मिला दे फिर जूट से बने थैले में डालकर सूखे स्थान पर रख दे। इसकी महक से कीडें दूर भाग जाते है और उसकी प्रजनन प्रक्रिया को भी रोक देता है। साधारणतः10 ग्राम चूने का इस्तेमाल 1 किलोग्राम अनाज को उपचारित करने में किया जाता है यह उपचार नाषीजीवों के आक्रमण से लबें समय तक बचाता है।

8 राख द्वारा नाषीजीवों का नियंत्रण – यह विधि नियमित रूप से किसानों द्वारा पुराने समय से इस्तेमाल में लाई जा रही है। इस विधि में दालों को भण्डारित करने के लिए मिट्टी से बने घड़े के अंदर 3/4 भाग राख व बाकि बचे एक चौथाई भाग में गाय का गोबर और लकड़ी की राख से भरकर बंद कर दे। छः महीने के बाद यह विधि फिर से दोहराएं। अनाज को भी इसी प्रकार गाय के गोबर की राख के साथ मिलाकर भण्डारित करते है जो कीट रोधी होती है।

9 कीटों व कीड़ों से बचाव के लिये माचिस की डिब्बियों का उपयोग– ग्रामीण महिलाओं द्वारा अनाज को भण्डारित करने में यह विधि बहुत पहले से इस्तेमाल में लाई जा रही है। इस विधि में सामान्यत- 6 से 8 माचिस की डिब्बियों को अनाज की पेटी की स्तह में, बीच मे व उपरी हिस्से में रखकर उसे अच्छे से बंद कर देते है। माचिस की तिल्लियों में फास्फोरस होता है जो कीड़ों के संक्रमण के राकथाम में सहायक होता है। इससे अधिक मात्रा प्रयोग में हानिकारक है।

10 नीम के घोल द्वारा उपचारित जूट से बने थैले का उपयोग – अनाज का सुरक्षित भण्डारण करने के लिए जूट से बने थैलें बड़ी मात्रा में उपयोगी है। भण्डारण से पहले थैलों को नीम के घोल से उपचारित किया जाता है।

नीम के घोल का तैयार करने की विधि – 10 लीटर पानी में 10 प्रतिशत नीम के बीज का चूर्ण बनाकर पोटली में बाँध कर पूरी रात पानी में डुबो कर रखें उसके बाद पोटली को निचोड़ कर आधे घण्टे के लिए थैलो को नीम के घोल में डाल देते है। थैले को हमेशा छाया में सुखाकर ही इसका इस्तेमाल अनाज भण्डारण के लिये करे। यह विधि एक वर्ष तक ही कीड़ों व कीटों से बचाव के लिए उपयोगी है। उपचारित जूट के बने थैलों का प्रयोग अनाज भण्डारण में बिना किसा भय के किया जा सकता है। इस प्रक्रिया में 10 जूट थैले के लिये 2 से 8 लीटर नीम के बीज की आवश्यकता होती है।

फसल उत्पादों का इस्तेमाल कीड़ों व कीटों की रोकथाम के रूप में नीम के बीज द्वारा प्राप्त उत्पाद–

10 प्रतिशत नीम के बीज से घोल तैयार करने के लिए 1 कि. ग्रा. नीम के बीजों का चूर्ण एवं 10 लीटर पानी की आवश्यकता होती है।

कपड़े की पोटली में 1 ग्राम नीम के बीज का चूर्ण बनाकर उसे 10 लीटर पानी में सारी रात डूबोकर रखें।

अगलं दिन पोटली को निचोड़ कर पानी कर इस्तेमाल नीम के घोल के रूप में करे।

जूट से बने थैले को उपचारित करने के लिए उसे आधे घंटे के लिए नीम के घोल में डाल दे। थैलों को हमेशा छाया मे ही सुखायें।

नीम के तेल का उपयोग

1) घरेलू एवं परंपरागत तौर पर नीम के तेल का उपयोग किसानों द्वारा बीजों को उपचारित करने में किया जाता है। 1 कि. ग्रा. अनाज को उपचारित करने के लिये 20 मि.ली. नीम का तेल काफी है। नीम का तेल भृंग, घुन, लाल सुरी, सफेद लबें सिर वाली सुरी और पतंगे इत्यादि की रोकथाम में सहायक है।

2) यदि नीम के तेल में नारियल तेल या अरंडी का तेल 1 : 1 के अनुपात में मिला दिया जाए तो परिणाम और भी प्रभावी होता है। सोयाबीन का तेल एवं मूँगफली का तेल भी सुरक्षात्मक दृश्टि से इस्तेमाल किया जा सकता है। सिट्रोनेला पत्तियों से निर्मित उत्पाद नाषी संक्रमण के प्रतिरोधी एवं काफी प्रभावी परिणाम देने वाला होता है।

तालिका नं. 2 कवक प्रतिरोधी आवश्यक तेलों की सूची

पादप	साधारणनाम	कार्यविधिस्तर
ग्रेविओलेंस पत्ति	नीम	सभी सक्रिय हैं।
एपियम ग्रोमिओलेंस (पत्ति)	केवेरि	
कुरकुमा ऐरोमेटिका	जंगली अदरक	
मेरिस्टिका	नटमेग	
सिट्रस मेडिका	बड़ा निम्बू	सभी कवक संक्रमण प्रतिरोधी है।
कैजुलिया एक्सीलेरिस	गठालिया	
कवकनाषी	ओसिमम कैनम	
काली तुलसी	कवकनाषी	

1) ढाँचे को साफ एवं मुरम्मत रखे -- ढाँचे को हमेषा साफ एवं सही तरीके से ही उपचार करें। गर्मी के महीनों में कीड़े ठण्ड की तुलना में ज्यादा क्रियाशील होते है इसलिये भण्डारण से पूर्व गर्मी के मौसम में सही तरीके से इसे पूरी तरह से उपचारित करें। भंडारण में होने वाले दरारों एवं छिद्रों को पूरी तरह से तुरंत मुरम्मत या बंद करवा देना ही सही होता है। पुराने अनाज को स्थान परिवर्तन करते समय उसे सही तरीके से जांचना चाहिए । यदि अनाज संक्रमित हैं तो उसे जल्द ही उपचारित करें।

2) केवल साफ एवं सूखे अनाजों का ही भण्डारण करें– अनाज के टुकड़े, धूल एवं भूसा- कीड़ों को अपनी तरफ आकर्शित करते है एवं कीड़ों के प्रजनन में सहायक होता है। लम्बे समय तक भण्डारण को देखते हुए अनाज को सही एवं समुचित तरीके से धूप में सुखाकर, साफ करके ही भण्डारित करें।

3) विशेष स्वच्छता– इस बात का विषेष ध्यान रखे कि भंडारण से पहले भण्डारण ढ़ाचा तथा यंत्र जैसे ट्रक आदि विषेष रुप से साफ हो। कोई भी पहले से पड़ा हुआ अनाज इत्यादि न हो ।

4) अनाजों का नियमित निरक्षण– नियमित देख-रेख भण्डारण प्रक्रिया का अति महत्वपूर्ण प्रयास और कदम सही दिषा में है ।

निष्कर्ष– खाद्य पदार्थों की सही गुणवत्ताा को घरेलू स्तर पर बनाए रखने के लिये यह आवश्यक हो जाता है कि भण्डारण के विभिन्न वैज्ञानिक तरीकों को अपनाया जाए।

ये सभी प्रयास सामग्री एवं विधि केवल भण्डारण के उद्देष्य से है परंतु प्रति वर्ष उपलब्ध होने वाले खाद्य सामग्री भण्डारण तभी संभव है जब भण्डारण घरेलू स्तर पर सही तरीके से हो ओर उनका भविष्य में इस्तेमाल वाणिज्यिक उद्देश्य से हो इसलिये पर्यावरण अनुकूल, सुरक्षित ओर प्रभावी भण्डारण को प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता है। उपयुक्त सारे प्रयास को पुनः नये सिरे से अपनाकर उन्हें ओर प्रभावी बनाने की आवष्यकता है जिससे भविष्य में आने वाली पीढ़ी लाभान्वित हो।

गेहूँ में कटाई उपरांत प्रबंधन एवं भंडारण

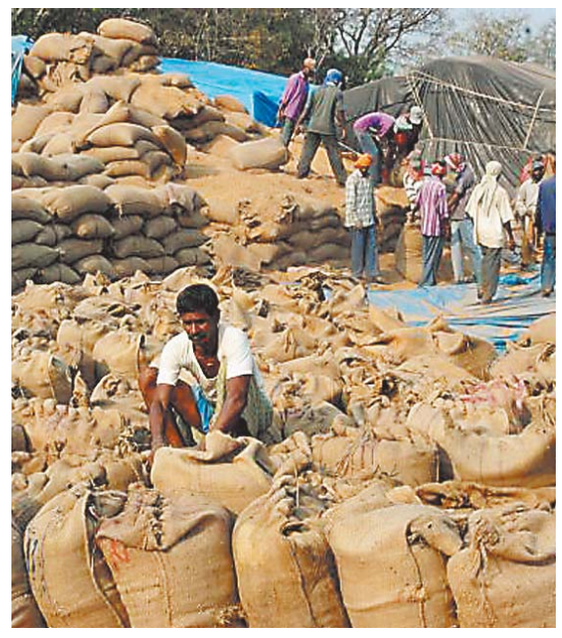

विश्व में उगाई जाने वाले अनाजों में गेहूँ का स्थान धान एवं मक्का के पश्चात तीसरा है और यह सभी प्रमुख सभ्यताओं में स्थायी खाद्य है। 1960 के दौरान हरित क्रांति द्वारा प्रोत्साहित होने के कारण विश्व का लगभग 36 प्रतिषत गेहूँ का उत्पादन एशिया में होता है। लगभग एक दशक से भारत का गेहूँ उत्पादन में चीन के बाद दूसरा स्थान है जिसके कारण भारत एक खाद्यान्न आत्म निर्भर देश हो गया है। वर्श 2011-12 के दौरान भारत में गेहूँ का उत्पादन 93.96 मिलियन टन था जो कि पूरे विश्व में गेहूँ उत्पादन का लगभग 15 प्रतिशत है। 1950-51 के दौरान 6.45 मिलियन टन की तुलना में वर्श 2012-12 के दौरान लगभग 15 गुणा उत्पादन बढ़ा है। यद्यपि इस गुणात्मक उत्पादन ने राश्टीय खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ता प्रदान की है। किन्तु उचित कटाई, तदुपरांत प्रबंधन एवं भण्डारण को लेकर चिंताएं भी पैदा की हैं।

फसल पकने के साथ ही कृशको की चिंताए समाप्त नहीं होती क्योंकि कटाई के दौरान दानों के झड़नें तथा चिड़ियों, कीटों द्वारा खेत एवं भण्डार में नुकसान की आशंका रहती है। दूसरी तरफ जल्दी कटाई से दानों में नमी अधिक होती है जिसमें कवकों की उत्पत्ति एवं खाद्य गुणवत्ता कम होने की संभावना रहती है। कटाई उपरांत नुकसान को उपलब्ध तकनीकों जैसे समय से कटाई, उचित मशीनों का प्रयोग, सुरक्षित भंडारण तथा कीटों से सुरक्षा के उपाय अपनाकर कम किया जा सकता है। लेकिन इसमें सबसे बड़ी बाधा कटाई उपरांत प्रबंधन एवं भण्डारण की जानकारी का अभाव है।

कटाई– गेहूँ का एक बड़े हिस्से की कटाई मानव द्वारा दरांती या एक विशेष प्रकार के चाकू से किया जाता है जिसमें सतह से 3-6 सें. मी. उपर से कटाई की जाती है। कटाई का समय एवं विधि कुल फसल उत्पादन के प्रमुख कारक है। कृषकों को कटाई के उपरांत दानों को उचित स्तर तक सुखाकर भण्डारण का समुचित ज्ञान है। इसमें काटे हुए गेहूँ के पौधों को छोटे-छोटे पुलिंदों में बांधकर खेत में 2-3 दिन तक सूखने के लिये छोड़ दिया जाता है। इसके विपरीत कम्बाईन या मषीन द्वारा कटाई करने से नमी वाले दानों को सुखाने का समय नहीं मिलता है। कटाई का उचित समय एक महत्वपूर्ण कारक है अतः उचित परिपक्वता समय का ध्यान रखना चाहिये जिससे दानों को झड़ने या गिरने से बचाया जा सके। विभिन्न किस्मों को अलग-अलग हिस्सों में रखना चाहिये जिससे किस्मों की शुध्दता बनी रहे। अत्यधिक एवं सीधे धूप में सुखाने से भी बचना चाहिये। इसके उपरांत दानों को साफ बोरों में भरना चाहिये जिससे भण्डारण एवं परिवहन में हानि को रोका जा सके।

कटाई उपरांत हानियाँ– गेहूँ में कुल उत्पादन का लगभग 8 प्रतिषत भाग कटाई उपरांत नष्ट हो जाता है जो मुख्यत- जीव-जन्तुओं द्वारा होता है। उचित तरीकों को अपनाकर इन हानियों को कम किया जा सकता है। जैसे कटाई के उपरांत दानों को तुरंत सुखाना, एक समान शुष्कता, उचित मड़ाई एवं अन्य विधियाँ, साफ-सफाई जिससे कीटों व चिड़ियों का आक्रमण रोका जा सके, अच्छी तरह साफ बोरों

से पुलींदा बनाना, वैज्ञानिक तरीकों तथा उचित नमी व कीट नियंत्रण विधियों को अपनाना, समुचित हवा का प्रबंधन तथा ढ़ेरियों को समयबध्द चरणों में हिलाना जिससे कीड़े न लगे इत्यादि। इन सब तरीको को अपनाकर प्रक्षेत्र एवं बाजार स्तर पर होने वाली हानियों को कम किया जा सकता है।

प्रसंस्करण- प्रारम्भिक प्रक्रम जैसे, भूसि निकालना, छिलका उतारना, सुखाना और सफाई करना गेहूँ की मूल्य वर्धन के साथ-साथ कटाई उपरांत प्रबंधन एवं भण्डारण के खर्च को कम करते है। गेहूँ को विभिन्न रूपों में उपयोग के लिये तैयार किया जाता है जैसे आटा, मैदा, सूजी, दलिया आदि। गेहूँ का आटा 5-10 अश्वशक्ति वाले मिलों में तैयार किया जाता है, जबकि मैदा एवं सूजी को रोलर मिल से बनाये जाते है जिसमें 13 प्रतिषत चोकर/भूसी एवं 3 प्रतिषत अंकुर सह-उत्पाद के रूप में प्राप्त होते है।

प्राचीन काल से ही गेहूँ के दानों को फर्ष पर पतली परत मे फैला कर धूप में सुखाने की प्रथा चली है जो आज भी बहुत लोकप्रीय है। गर्म हवाओं वाली मषीने जैसे- बिन ड्रायर, बैच ड्रायर, एवं सतत् प्रवाह ड्रायर भी गेहूँ को सुखाने के लिये तैयार की गई है। गेहूँ की अषुध्दियों जैसे- ककड़, पत्थर, रेत, धूल, दूसरी फसलों से अलग करके गेहूँ को साफ किया जाता है तथा बाद में गेहूँ को धूल दिया जाता है। दानों की सफाई करने के बाद, ग्लूटेन का गुण सुरक्षित रखने के लिये एक उष्णजलिय उपचार देते है जिसमें नमी एवं ताप को साथ-साथ व्यवस्थित किया जाता है।

हमारे देश में लगभग 1100 बड़े मिल और 3 लाख छोटे आटा मिलें है जो गेहूँ को खाने योग्य उत्पादों में बदलते है। प्राथमिक प्रसंस्करण गेहूँ की खाने योग्य अवधि बढ़ाने, खराब होने से बचाने एवं मूल्य वर्धन करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। दो प्रकार के आधारीय मिल पारंपरागत तैर पे चालन में है। पेहले प्रकार मे पत्थर से पिसाया जाता है जिसमें पूरा गेहूँ चोकर/भूसी एवं अंकुर के सात पिसा जाता है दसरे प्रकार मे आधुनिक रोलर मिल से पिसाई की जाती है जिसमें अधिक मात्रा में आटा प्राप्त होता है और इसमे भूसी य जर्म नहीं पाया जाता है।

प्रसंस्करण के लिये मुख्यतः दो प्रकार की मिल प्रचलन में हैं। एक पारम्परिक पत्थरों से पिसाई जिसमें गेहूँ को छिलके सहित पिसा जाता है तथा दूसरा आधुनिक रोलर आटा मिल जिसमें आटे का मुख्य भाग दाने के भ्रुणपोश के बिना छिलकों एवं भूसी में प्राप्त होता है। पिसाई के बाद उत्पाद को जल सुरक्षित थैलो में भरकर ठण्डे एवं सूखे स्थान पर भण्डार करते है। उपभोक्ताओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ने से विभिन्न प्रकार के आटे, जैसे; चना, सोयाबीन आदि की गेहूँ की आटे के साथ मिलाकर पौश्टिक अवयवों को बढ़ाया जाता है। गेहूँ के आटे में कैल्शियम कार्बोनेट, विटामिन ए और डी, थियामिन, रिबोफलेविन इत्यादि।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

69,000 शिक्षक भर्ती: सुप्रीम कोर्ट ने कहा-शिक्षा मित्रों के लिए 60-65 फीसदी कटऑफ काफी ज्यादा

नई दिल्ली(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में 69,000 सहायक शिक्षक भर्ती मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा-प्रथम दृष्ट्या हमें भर्ती परीक्षा में शिक्षा मित्रों के लिए 60-65 फीसदी कट ऑफ काफी ज्यादा लगता है। कोर्ट ने अपनी इस मौखिक टिप्पणी में यह भी कहा, हमें नहीं लगता कि इस परीक्षा में बीएड छात्रों को शामिल करने पर कोई आपत्ति होनी चाहिए। इस मामले में अगली सुनवाई 20-21 जुलाई को देखने को मिलेगी। जस्टिस यूयू ललित और जस्टिस मोहन एम शांतनागौदर की पीठ ने सुनवाई के दौरान मौखिक तौर पर कहा, हमें नहीं लगता कि भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन मंगाने से पहले या बाद में कटऑफ में फेरबदल करने में आपत्ति होनी चाहिए। दरअसल, अभ्यर्थियों के एक समूह ने परीक्षा प्रक्रिया के दौरान कटऑफ बढ़ाने को चुनौती दी है। पीठ ने कहा कि प्रथमदृष्ट्या शिक्षामित्रों के लिए 60-65 कट ऑफ अधिक नजर आता है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील पीएस पटवालिया ने कहा, आवेदन मांगने के बाद कटऑफ बढ़ाना गलत है। बीएड छात्र सहायक शिक्षक परीक्षा में शामिल होने की पात्रता नहीं रखते। बीएड उम्मीदवारों ने छह महीने का ब्रिज कोर्स नहीं किया जो सहायक शिक्षक के लिए जरूरी अर्हता है। उन्हें केवल प्रशिक्षु शिक्षकों के रूप में भर्ती किया जा सकता है। इस दौरान पीठ ने कहा, परीक्षा के लिए बीएड छात्रों की पात्रता को लेकर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 37,339 पद पर रोक के आदेश पर दोबारा विचार करने की मांग 69,000 सहायक शिक्षक भर्ती मामले में यूपी सरकार गुरुवार को अपना पक्ष रखती लेकिन किसी कारणवश सुनवाई नहीं हो सकी। अब अगली सुनवाई 20-21 जुन को संभावित है। अदालत यूपी सरकार की संशोधन याचिका पर सुनवाई कर रहा है। यूपी सरकार ने याचिका दाखिल कर उच्चतम न्यायालय द्वारा अपने उस आदेश पर दोबारा विचार करने की मांग की है, जिस आदेश में अदालत ने 37,339 पद भरने पर रोक लगा दी थी। 37,399 पदों पर छोड़कर नियुक्ति प्रक्रिया जारी रख सकती है सरकार: सुप्रीम कोर्ट गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने नौ जून को अंतरिम आदेश पारित कर यूपी सरकार से कहा था कि वह शिक्षामित्रों के लिए 37,399 पदों पर छोड़कर नियुक्ति प्रक्रिया जारी रख सकती है। वहीं बेसिक टीचर सर्टिफिकेट (बीटीसी) प्रशिक्षित उम्मीदवारों के एक समूह ने इस भर्ती परीक्षा में बीएड के छात्रों को शामिल करने को चुनौती दी है। शिक्षामित्रों का कहना है कि जो भी योग्य शिक्षामित्र 45/40 से ज्यादा अंक हासिल करते हैं, उन्हे भारांक देकर नियुक्ति दी जाए, लेकिन सरकार ने 2019 की परीक्षा में कट आफ अंक बढ़ाकर 65/60 कर दिए जिससे 32,629 शिक्षामित्र उम्मीदवार बाहर हो गए। हाईकोर्ट से उन्हें कोई राहत नहीं मिली थी तो वे सुप्रीम कोर्ट आ गए। दरअसल भारांक देने की बात सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में की थी जब प्रदेश में लाखों शिक्षामित्रों की सहायक शिक्षक पद पर नियुक्ति को अवैध मानकर निरस्त किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

एलएसी की स्थिति पर भारतीय सेना का बयान- दोनों देश तनाव कम करने पर दे रहे जोर

नेशनल डेस्क। भारत और चीन के बीच चौथे चरण की सैन्य बातचीत के बाद भारतीय सेना ने वीरवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में सैनिकों के पूरी तरह से पीछे हटने की प्रक्रिया ''जटिल है और इसके लगातार सत्यापन की जरूरत है। सेना ने कहा कि भारत और चीन सेना के वरिष्ठ कमांडरों ने पूर्वी लद्दाख में पीछे हटने के पहले चरण के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की तथा क्षेत्र से सैनिकों की पूर्ण वापसी सुनिश्चित करने के लिये आगे के कदमों पर चर्चा की। कमांडरों के बीच चौथे चरण की वार्ता वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय सीमा के अंदर चुशुल में एक निर्धारित बैठक स्थल पर मंगलवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे शुरू हुई और बुधवार तड़के दो बजे तक चली। इस दौरान सैनिकों की वापसी की जटिल प्रक्रिया के तौर-तीरों को लेकर व्यापक चर्चा की गई। भारतीय सेना ने एक बयान में कहा कि वरिष्ठ कमांडरों ने पूर्वी लद्दाख में पीछे हटने के पहले चरण के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की क्षेत्र से सैनिकों का पूरी तरह से हटना सुनिश्चित करने के लिये आगे के तरीकों पर चर्चा की गई। बयान में कहा गया कि दोनों पक्ष पूरी तरह से पीछे हटने के उद्देश्य को लेकर प्रतिबद्ध हैं। सेना ने कहा कि यह प्रक्रिया जटिल है और इसमें लगातार सत्यापन की जरूरत है। वे नियमित कूटनीतिक और सैन्य स्तर की बातचीत के जरिए इसे आगे बढ़ा रहे हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृतव लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह ने किया, जो लेह स्थित 14 वीं कोर के कमांडर हैं जबकि चीनी पक्ष का नेतृत्व मेजर जनरल लियु लिन ने किया, जो दक्षिण शिंजियांग सैन्य क्षेत्र के कमांडर हैं।

कुलभूषण जाधव मामले में भारत ने पाक से की बात, बिना शर्त काउंसलर एक्सेस की उठाई मांग

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

पाकिस्तान भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी कुलभूषण जाधव के मामले पर भारत के लिए कई मुश्किलें पैदा कर रहा है। अब इसी बीच भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान से बात करते हुए बिना रोकटोक कॉन्सुलर एक्सेस की मांग की है। इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (आईसीजे) में रिव्यू पीटिशन दायर करने से पहले भारत की ओर से यह मांग की गई है। सूत्रों के अनुसार भारत ने पाक से कहा कि आप कॉन्सुलर एक्सेस के दौरान बातचीत की भाषा को सिर्फ इंग्लिश नहीं कर सकते हैं। इसके साथ ही भारत चाहता है कि पाकिस्तान दो अधिकारियों को कुलभूषण जाधव से मिलने की अनुमति दे। काउं सलर एक सेस वह प्रक्रिया है जिसके जरिए किसी दूसरे देश में बंद नागरिक को उसके देश के दूतावास के अधिकारियों से मिलने का मौका दिया है। इसका मकसद कैदी को जरूरी या मानवीय मदद करना होता है। काउंसलर्स, किसी देश के उच्चायोग या दूतावास से हो सकते हैं।

इसके तहत कानूनी सलाह और मदद दी जाती है ताकि कैदी को अपने देश में वापस जाने में संभव मदद मिल सके। बता दें कि हाल ही में पाकिस्तान सरकार ने दावा किया था कि कुलभूषण जाधव ने रिव्यू पिटीशन दायर करने से मना कर दिया है और ये फैसला किया है कि वो अब दया याचिका के साथ आगे बढ़ेंगे। गौरतलब है कि भारतीय नौ सेना के रिटायर्ड अधिकारी कुलभूषण जाधव पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। जाधव को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में कथित तौर पर तोड़फोड़ और आतंकी कार्रवाई के आरोप में गिरफ्तार किया था। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों का आरोप था कि जाधव ईरान से पाकिस्तान में जासूसी के इरादे से आया था, जबकि भारत ने इन सभी आरोपों को इनकार करता आया है।

केरल उच्च न्यायालय ने राज्य में 31 जुलाई तक प्रदर्शन और जुलूस पर लगाया रोक

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने राज्य में 31 जुलाई तक सभी तरह के कार्यक्रमों, खास तौर पर विरोध प्रदर्शनों और जुलूसों पर प्रतिबंध लगाया दिया है। सिर्फ उन्हीं आयोजनों को मंजूरी मिलेगी जो पिछले महीने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अथॉरिटी (एनडीएमए) की ओर से जारी दिशानिर्देशों के अनुसार होंगे। राज्य में कोविड-19 का उल्लंघन करते हुए होने वाले सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन और बड़े जमावड़े पर रोक लगाने के लिए दायर एक याचिका पर विचार करते हुए उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि कोई भी जुलूस और विरोध प्रदर्शन न हो पाए, इसे सुनिश्चत करने के लिए वे सभी निरोधात्मक कदम उठाएं। बुधवार को जारी आदेश में मुख्य न्यायाधीश एस मणिकुमार और न्यायमूर्ति शाजी पी चाली ने कहा कि केरल के मुख्य सचिव और राज्य पुलिस प्रमुख को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई राजनीतिक पार्टी दिशानिर्देशों और अन्य आदेशों का उल्लंघन न करे। अदालत ने राजनीतिक पार्टियों को निर्देश दिया है कि वे स्थिति के अनुसार काम करें और एनडीएमए की ओर से जारी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करके किसी भी गतिविधि में शामिल होने से खुद को बचाएं। एक वकील ने याचिका में आरोप लगाया था कि राजनीतिक पार्टियां और उनके सहयोगी संगठन केरल में कोरोना वायरस महमारी को रोकने के लिए लागू दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए विरोध प्रदर्शन आयोजित कर रहे हैं।

सुम्ब ब्लॉक के लोगों ने सडक़ नहीं बनने पर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया

साम्बा। साम्बा जिला के सुम्ब ब्लॉक के गांव ढाकी, पौरना बलैतर में सडक़ नहीं होने के चलते स्थानीय लोगों ने प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करके अपनी मांग को उठाया। प्रदर्शनकारी देव राज, काका राम, दर्शन लाल ने कहा कि 18 साल पहले उनके गांव में सडक़ बनाने का काम शुरू किया गया था जो कि तक नहीं बन पाया। उन्होंने कहा कि इस गांव की सुद लेने वाला कोई नहीं है और दूर-दराज के गांव होने के चलते उनके गांवों को पूरी तरह से नजरांदाज किया जा रहा है। प्रदर्शनकारी लोगों ने कहा कि सडक़े खराब होने के चलते उनके लोग समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते हैं और न ही बेहतर सुविधा उपलब्ध हो पाती है। लोगों ने कहा कि कई बार प्रशासन के पास अपनी मांग को लेकर गए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि जल्द से जल्द उनकी सडक़ को तैयार किया जाए। इस मौके पर कमल शर्मा, शिप्पू, आशू देवी, ज्योति, संधू देवी आदि मौजूद थी।

हाई अलर्ट पर मुंबई, भारी बारिश के साथ हाई टाईड का भी मंडराया खतरा

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में पिछले कुछ दिनों से आसमान से आफत बरस रही। लगातार चल रही बारिश ने मुंबई वासियों का जीना मुहाल कर दिया है। हालांकि आज भी इससे राहत मिलती दिखाई नहीं दे रहा है। मौसम विभाग ने मुंबई और अन्य तटीय इलाकों में भारी बारिश के बाद क्षेत्र के लिए 'रेड अलर्ट जारी कर दिया है। मुंबई पर हाईटाईड का खतरा भी मंडरा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक हाईटाइड के आने पर समंदर की लहरें 3 मीटर तक ऊंची उठ सकती हैं। वहीं इससे पहले मुंबई में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। मंगलवार रात से ही शहर में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया है। राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र के एक वैज्ञानिक ने बताया कि मानसून के 17 जुलाई को उत्तर की ओर बढ़ने की संभावना है। इससे पंजाब, हरियाणा और दिल्ली समेत उत्तर भारत में बारिश होगी। मौसम विभाग के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में 17 जुलाई से 20 जुलाई के बीच हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने की संभावना है। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को गर्मी का प्रकोप जारी रहा और उमस का सामना करना पड़ा। वहीं उत्तरप्रदेश में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हुई। राज्य में 16 और 17 जुलाई के बीच कई स्थानों पर बारिश होने का अनुमान है । हरियाणा और पंजाब में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहा।

कुख्यात सट्टेबाज के मकान पर छापेमारी

जम्मू। पुलिस की अपराध शाखा के अधिकारियों ने पंजाब में क्रिकेट के एक कथित सट्टेबाज के मकान और अन्य ठिकानों पर छापेमारी की । सट्टेबाज के खिलाफ जम्मू में दर्ज एक मामले की छानबीन के तहत यह कार्रवाई की गयी । पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि पंजाब के मुकेरियां का निवासी जतिन उर्फ राजा सट्टेबाजी के काम में लिप्त था और वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा है । उन्होंने बताया कि अपराध शाखा की एक टीम ने मुकेरियां में आईपीएल के कुख्यात सट्टेबाज के मकान और उसके अन्य ठिकानों पर छापेमारी की। हालांकि, छापे के दौरान वह नहीं मिला और उसकी तलाश की जा रही है । प्रवक्ता ने बताया कि इस साल की शुरुआत में अपराध शाखा द्वारा दर्ज मामले में उसकी तलाश की जा रही है ।

दिल्ली को खालिस्तान बनाने का वीडियो जारी, भड़के सिख

नई दिल्ली। पंजाब को भारत से अलग कराने की मुहिम चला रहे अमरीका के संगठन सिख्स फॉर जस्टिस ने 19 जुलाई को दिल्ली में जनमत संग्रह करवाने का ऐलान किया है। इसके लिए बाकायदा भारत सरकार द्वारा आतंकवादी घोषित किए गए सिख्स फॉर जस्टिस के जनरल कौंसिल गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में दिल्ली को खालिस्तान बनाने का हवाला देते हुए गुरुद्वारा शीशगंज साहिब और गुरुद्वारा बंगला साहिब में रैफरैंडम- 2020 के लिए अरदास करने का ऐलान किया है। वीडियो को लेकर दिल्ली के सिखों में भारी गुस्सा है। सिख संगठनों ने इसको लेकर कड़ा ऐतराज जताया है। सिखों की अगुवाई वाली धार्मिक पार्टी जागो पार्टी के प्रमुख मंजीत सिंह जी.के. ने पन्नू को पाकिस्तान की खुफिया एजैंसी आई.एस.आई. का एजैंट बताते हुए वीरवार को पाकिस्तान दूतावास के बाहर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। जी.के. का कहना है कि पन्नू को अगर खालिस्तान लेना है या पंजाब को आजाद कराना है तो उसको भारत में आकर भारतीय संविधान के दायरे में रहकर खालिस्तान की लड़ाई लडऩी चाहिए। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव हरमीत सिंह कालका ने कहा कि उनकी पार्टी शिरोमणि अकाली दल एवं दिल्ली कमेटी ऐसे किसी भी संगठन को समर्थन नहीं करती है और न ही करेगी। अकाली दल एवं कमेटी से इनका कोई लेना-देना भी नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री आर.पी. सिंह ने पन्नू के पोस्टर को ट्वीट करते हुए दिल्ली कमेटी को इस मसले पर अपना पक्ष साफ करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वह खुद भी दिल्ली के सभी गुरुद्वारों पर निगरानी रखेंगे। कोई भी संगठन दिल्ली में खालिस्तान बनाने के बारे में सोचे भी नहीं।

पायलट की घर वापसी का इंतजार कर रही कांग्रेस! सिब्बल के ट्वीट ने किया इशारा

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने वीरवार को राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट पर कटाक्ष किया। उन्होंने सवाल कि अगर वह भाजपा में नहीं जा रहे हैं तो फिर लगता है कि हरियाणा के मानेसर के एक होटल में बागी कांग्रेसी विधायक छुट्टियां मना रहे हैं। कपिल सिब्बल ने ट्वीट कर कहा कि पायलट का कहना है कि मैं भाजपा में शामिल नहीं हो रहा हूं और उनकी छवि खराब करने के लिए अफवाहें फैलाई जा रही हैं। मुझे लगता है कि मानेसर में रुके विधायक हरियाणा की बीजेपी सरकार की नजरों में छुट्टियां मना रहे हैं, लेकिन घर वापसी का क्या? गौरतलब है कि राजस्थान के उप मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद पायलट ने बुधवार को कहा कि वह भाजपा में नहीं जा रहे हैं और उनकी छवि खराब करने के लिए कुछ नेता ऐसी अफवाहों को हवा दे रहे हैं। अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ बगावती रुख अपनाने वाले पायलट एवं उनके साथी नेताओं के खिलाफ कांग्रेस ने मंगलवार को कड़ी कार्रवाई की। पायलट को उपमुख्यमंत्री पद के साथ-साथ पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद से भी हटा दिया गया। दो समर्थक मंत्रियों को भी उनके पदों से हटा दिया गया।

महाराष्ट्र-दिल्ली में कोरोना से देश में हुई कुल मौतों का 57.86 प्रतिशत

नई दिल्ली(एजेंसी)।

प्राण घातक कोरोना वायरस (कोविड-19) के कारण महाराष्ट्र और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अब तक 14,415 लोगों की मौत हो चुकी है, जो इस जानलेवा महामारी से देश में हुई कुल मौतों का 57.86 प्रतिशत है। महाराष्ट्र में जहां कोविड-19 से अब तक 10,928 लोगों की मृत्यु हुई है, वहीं राष्ट्रीय राजधानी में 3,487 लोगों ने जान गंवाई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी किये गये आंकड़ों के मुताबिक देशभर में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 32,695 नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की संख्या 9,68,876 हो गयी है।वहीं इस दौरान 606 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 24,915 हो गई है। संक्रमण के तेजी से बढ़ रहे मामलों के बीच राहत की बात यह है कि इससे स्वस्थ होने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। देश में अब तक कुल 6,12,815 लोग रोगमुक्त हो चुके हैं। वहीं इस समय देश में कोरोना के 3,31,145 सक्रिय मामले हैं। देश में कोरोना संक्रमण की स्थिति हर दिन भयावह होती जा रही है और पिछले 24 घंटों के दौरान अब तक के सर्वाधिक 32 हजार से अधिक नये मामले सामने आने से संक्रमितों का आंकड़ा 9.69 लाख के पार पहुंच गया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 32,695 नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की संख्या 9,68,876 हो गयी है।

दलित किसान मारपीट मामले में राहुल गांधी ने शिवराज पर साधा निशाना, मायावती दोनों पर भड़की

गुना(एजेंसी)।

मध्य प्रदेश में दलित परिवार से पुलिस का बर्बरता का मामले पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। अब पुलिस द्वारा गरीब परिवार से मारपीट मामले को लेकर जहां एक और मध्य प्रदेश में विपक्ष में बैठी कांग्रेस सरकार शिवराज सरकार को घेरने में लगी है, वहीं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी इसे लेकर शिवराज सरकार को आड़े हाथों लिया है। इसी मामले को लेकर बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस और बीजेपी दोनों पार्टियों पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने गुना में किसान के साथ बर्बरता का वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा है कि हमारी लड़ाई इसी सोच और अन्याय के खिलाफ है। हमारी लड़ाई इसी सोच और अन्याय के ख़िलाफ़ है। वहीं बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि एमपी के गुना पुलिस और प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के नाम पर दलित परिवार को कर्ज लेकर तैयार की गई फसल को जेसीबी मशीन से बर्बाद कर देना और उस दंपति को आत्महत्या का प्रयास करने को मजबूर कर देना अति-क्रूर और शर्मनाक है। इस घटना की देशव्यापी निंदा स्वाभाविक है। सरकार सख्त कार्रवाई करे। मध्यप्रदेश के गुना पुलिस व प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के नाम पर दलित परिवार को कर्ज लेकर तैयार की गई फसल को जेसीबी मशीन से बर्बाद करके उस दम्पत्ति को आत्महत्या का प्रयास करने को मजबूर कर देना अति-क्रूर व अति-शर्मनाक। इस घटना की देशव्यापी निन्दा स्वाभाविक। सरकार सख्त कार्रवाई करे। एक अन्य ट्वीट करते हुए मायावती ने कहा कि एक तरफ बीजेपी और इनकी सरकार दलितों को बसाने का ढिंढोरा पीटती है, जबकि दूसरी तरफ उनको उजाड़ने की घटनाएं उसी तरह से आम हैं, जिस प्रकार से पहले कांग्रेस के शासन में हुआ करती थी, तो फिर दोनों सरकारों में क्या अंतर है। खासकर दलितों को इस बारे में जरूर सोचना चाहिए। एक तरफ बीजेपी व इनकी सरकार दलितों को बसाने का ढिंढोरा पीटती है जबकि दूसरी तरफ उनको उजाड़ने की घटनाएं उसी तरह से आम हैं जिस प्रकार से पहले कांग्रेस पार्टी के शासन में हुआ करती थी, तो फिर दोनों सरकारों में क्या अन्तर है? खासकर दलितों को इस बारे में भी जरूर सोचना चाहिए। मध्यप्रदेश में गुना जिले में पुलिस की बर्बरता का एक वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें पुलिस एक किसान परिवार की बर्बरता से पिटाई कर रही है। बताया जा रहा है कि गुना में कॉलेज के लिए आवंटित जमीन को प्रशासन अतिक्रमण मुक्त कराने गई थी। इस जमीन पर एक दलित परिवार किसानी करता है। प्रशासन से परिवार ने हाथ जोड़कर गुहार लगाई कि फसल कट जाने तक कार्रवाई न करें। लेकिन जब प्रशासनिक टीम नहीं मानी तो दलित पति-पत्नी ने घर की झोपड़ी में ही रखी कीटनाशक पी लिया। इस दौरान पुलिस वाले उसकी बेरहमी से पिटाई भी करते रहे। माता-पिता के जहर खाकर गिरने के बाद मासूम बच्चे बिलख-बिलख कर रो पड़े जिसे देखकर सभी के रोंगटे खड़े हो गए।

कोरोना का कहर : साम्बा जिले में 3 नए हॉटस्पॉट

साम्बा। साम्बा जिले में कोरोना संक्रमण बढ़ता जा रहा है। बुधवार को 24 नए मामले सामने आए जिनमें कोल्ड ड्रिंक्स फैक्टरी के 3 लोग शामिल हैं। कोरोना के नए मामले सामने आने के बाद 3 नए हॉट स्पॉट (कंटेनमेंट जोन) भी बना दिए गए। जिला प्रशासन द्वारा विजयपुर के वार्ड-10, गुड़ा सलाथीयाँ की मंडी गढ़ और बड़ी-ब्राहमणा तहसील के पंचायत बीरपुर की वार्ड-1 और 2 (कुंदनपुर गाँव) को हॉटस्पॉट घोषित कर दिया गया। इससे पहले बाडियाँ और सुम्ब को भी हॉट स्पॉट घोषित किया गया था, जिसके साथ ही जिले में कुल 5 हॉटस्पॉट होगए हैं। गुड़ा सलाथीयाँ के गढ़ मंडी को प्रशासन ने आज हॉटस्पॉट घोषित कर दिया व यहां पॉजिटिव पाए गए युवक के घर के आसपास तार लगा कर उसे सील कर दिया। इस गांव में कोरोना संक्रमण का यह पहला मामला है। प्रशासन ने इलाके में कंट्रोल रूम स्थापित कर नापतौल विभाग के सहायक नियंत्रक राजेश हीरा को नोडल अधिकारी तैनात कर दिया है। इलाके में संक्रमित के संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा रही है। बताया गया है कि गढ़ मंडी का यह युवक पत्थरी के आप्रेशन के लिए जम्मू किसी डॉक्टर के पास गया था। आप्रेशन से पहले 11 जुलाई को इसका कोरोना टेस्ट किया गया जिसकी गत देर शाम आई रिपोर्ट में यह पॉजिटिव पाया गया। बताया गया है कि कुछ दिन पूर्व कठुआ इलाके में गया था। वहीं गत शाम बीरपुर के कुंदनपुर के रहने वाले एक व्यक्ति की रिपोर्ट भी पॉजिटिव पाए जाने के बाद इलाके को हॉटस्पॉट बना कर सील कर दिया गया। संक्रमित पाया गया यह व्यक्ति मॉर्डन जुलाई को गांधीनगर में इसका टेस्ट करवाया था व आज रिपोर्ट आने पर इसके कोरोना पाजिटिव होने की पुष्टि हुई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इसे अस्पताल पहुंचाया और इसकी पत्नी सहित अन्य करीबी संपर्क में रहे लोगों को भी सेंपड्क्षलग के लिए ले जाया गया।

दिल्ली में कोरोना से ज्यादा मौतें प्रदूषण से, पिछले 6 महीने में 24000 लोगों की गई जान

नेशनल डेस्क। देश में कोरोना से अब तक 24,915 मौतें हो चुकी हैं वहीं इसी बीच चौकाने वाली बात सामने आई है। दिल्ली में पिछले छह महीने में 24000 मौतें हो चुकी हैं लेकिन यह मौतें कोरोना से नहीं बल्कि प्रदूषण से हुई हैं। और ग्रीनपीस के डेटा के मुताबिक प्रदूषण से दिल्ली में 26,230 करोड़ का नुकसान भी हुआ है जो दिल्ली की कुल का 5.8 प्रतिशत है। दिल्ली में पिछले तीन महीनों से प्रदूषण का स्तर संतोषजनक रहा है ऐसे में यह आश्चर्य है कि 2020 के शुरुआती 6 महीनों में सिर्फ दिल्ली में 24000 मौतें हुई हैं। पर्यावरण पर काम कर रही संस्था ग्रीनपीस के मुताबिक लॉकडाउन के बावजूद भी प्रदूषण के से दिल्ली में पिछले 6 महीनों में 24000 लोगों की मौत हुई जबकि मुंबई में इस से जुड़ी मौत का आंकड़ा 14000 है। ये आंकड़े प्रदूषण और स्वास्थ डाटा को मिलाकर निकाले गए हैं जिसमें 1 जनवरी 2020 से अब तक 2.5 और 2 के उत्सर्जन से होने वाले शारीरिक और आर्थिक नुकसान का आंकलन किया जाता है। ग्रीनपीस इंडिया के क्लाइमेट कैम्पेनर अविनाश चंचल ने बताया कि अगर 2.5, 20 से ज्यादा है तो फेफड़ों के कैंसर से मरने वाले लोगों की संख्या 25त ज्यादा हो जाती है। अविनाश चंचल ने बताया कि अगर 2.5, 20 से ज्यादा है तो फेफड़ों के कैंसर से मरने वाले लोगों की संख्या 25त ज्यादा हो जाती है। अविनाश चंचल ने बताया कि दिल्ली में पिछले 6 महीने में 4000 नए केस अस्थमा के आए हैं। यह स्टडी 28 शहरों में की गई थी और दिल्ली इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। स्टडी में कहा गया कि जो लोग ज्यादा प्रदूषित शहरों में रहते हैं उनको कोरोना का ज्यादा खतरा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डॉ फॉसी की बड़ी चेतावनी: कोरोना दोहरा सकता है 1918 का इतिहास, 5 करोड़ लोगों की गई थी जान

न्यूयार्क।

कोरोना वायरस का प्रकोप सबसे अधिक अमेरिका में देखा गया। दुनिया के एक तिहाई लोग सिर्फ अमेरिका में ही संक्रिमत हैं। इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि उनके देश में कोरोना को को लेकर स्थिति कंट्रोल में है। जबकि बड़े कोरोना वैज्ञानिक डॉ. एंथनी फॉसी कई बार ट्रंप के दावे को झुठला चुके हैं। डॉ. एंथनी फॉसी ने एक बार फिर बड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि कोरोना वायरस का प्रकोप 1918 में आए स्पैनिश फ्लू से भी ज्यादा खतरनाक रूप ले सकता है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद स्पैनिश फ़्लू महामारी के चलते दुनिया भर में 5 से 10 करोड़ लोग मारे गए थे और डॉ फॉसी इस बात से चिंतित हैं कि इतिहास खुद को दोहरा सकता है। डॉ. एंथनी फॉसी ने कहा कि स्पैनिश फ्लू दुनिया की सबसे भयावह महामारी थी। मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसी स्थिति कोरोना के साथ न आए, लेकिन इसने शुरुआत कर दी है। जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के एक ऑनलाइन कार्यक्रम में डॉ. एंथनी फॉसी ने छात्रों से बात की और वायरस के खिलाफ लड़ाई की गंभीरता की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में एक गंभीर स्थिति है। चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में एक गंभीर स्थिति है। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण था कि युवा लोग समस्या का हिस्सा न बनें। बता दें स्पेनिश फ्लू महामारी ने पूरी दुनिया में 102 साल पहले दस्तक दी थी और उस वक्त पूरी दुनिया की लगभग एक तिहाई आबादी इससे प्रभावित हुई थी।

अमेरिका में रोग नियंत्रण केंद्र के मुताबिक 1918 की महामारी सबसे खतरनाक थी। स्पेनिश फ्लू एच1 एन1 वायरस के कारण फैला था और अमेरिका में इस बीमारी से अनुमानतः छह लाख 75 हजार लोगों की मौत हुई थी।

पाक सांसद ने विदेशियों की पुनर्विचार याचिका पर अध्यादेश को लेकर की इमरान सरकार की आलोचना

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के एक वरिष्ठ सांसद ने किसी विदेशी नागरिक को सैन्य अदालत के फैसले पर पुनर्विचार के लिए याचिका दायर करने की अनुमति देने संबंधी अध्यादेश को संसद में पेश नहीं करने को लेकर इमरान सरकार की आलोचना की है। भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी कुलभूषण जाधव की मौत की सजा के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करने की समय सीमा नजदीक आने के बीच पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता राजा रब्बानी ने सीनेट में अध्यादेश का यह मुद्दा उठाया। उन्होंने यह मुद्दा उस वक्त उठाया, जब एक मंत्री तीन महीने की देरी के बाद कोविड-19 (जमाखोरी से रोकथाम) अध्यादेश उच्च सदन में पेश करने जा रहे थे। पाकिस्तान ने 20 मई को ''अंतर्राष्ट्रीय न्याय अदालत समीक्षा एवं पुनर्विचार अध्यादेश 2020 लागू किया था, जिसके तहत किसी सैन्य अदालत के फैसले पर पुनर्विचार के लिए याचिका इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में दायर की जा सकती है। जाधव (50) को पाकिस्तान की एक सैन्य अदालत ने ''जासूसी और आतंकवाद के आरोपों में अप्रैल 2017 में मौत की सजा सुनाई थी। हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने पिछले साल जुलाई में आदेश दिया था कि पाकिस्तान को जाधव की दोषसिद्धि और सजा की ''प्रभावी रूप से समीक्षा और पुनर्विचार करना चाहिए तथा बिना किसी देरी के राजनयिक संपर्क मुहैया कराना चाहिए। गत सप्ताह पाकिस्तान के अतिरिक्त महान्यायवादी अहमद इरफान ने कहा कि 17 जून 2020 को जाधव को अपनी सजा और दोषसिद्धि की समीक्षा तथा पुनर्विचार के लिए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में एक अपील दायर करने की पेशकश की गई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सरकार ने भारत सरकार, जाधव या उनके कानूनी प्रतिनिधि को 60 दिनों के भीतर इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करने की अनुमति देने के लिए 20 मई को एक अध्यादेश जारी किया।

कोरोना के गंभीर मरीजों में प्रतिरक्षा प्रणाली के दिखे विभिन्न स्वरूप

वाशिंगटन।

अनुसंधानकर्ताओं ने अस्पतालों में भर्ती कोविड-19 के 125 मरीजों की प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करने के बाद भिन्न किस्म की प्रतिरक्षा प्रोफाइल या 'इम्युनोटाइप्स का पता लगाया है और बताया है कि इनका रोग की गंभीरता से किस तरह संबंध है। इस अध्ययन से रोग के खिलाफ नयी चिकित्सा विकसित करने में मदद मिलेगी। 'साइंस जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक यह पता नहीं चल पाया है कि कोविड-19 के गंभीर मरीजों में प्रतिरक्षा प्रणाली के सामान्य रूप से काम नहीं करने संबंधी एक जैसी प्रोफाइल है या नहीं। अमेरिका के पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डिविज मैथ्यू ने कहा, ''इन प्रोफाइलों के आधार पर हम यह पता लगाने का प्रयास कर सकते हैं कि किस तरह के मरीज के लिए कौन सा उपचार लाभदायक रहेगा। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि दुनियाभर के वैज्ञानिक कोविड-19 से लड़ने में मानव की रोग प्रतिरक्षा प्रणाली की विशेषताओं का पता लगाने में जुटे हैं। मैथ्यू और उनके सहयोगियों ने अभी तक मिले निष्कर्षों को विस्तार से समझने के लिए कोविड-19 के 125 रोगियों में दो स्तरों पर प्रतिरक्षा प्रणाली की कोशिकाओं का विश्लेषण किया। ऐसा मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने के पहले सप्ताह में किया गया। ऐसा मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने के पहले सप्ताह में किया गया। वैज्ञानिकों ने 'फ्लो साइटोमेट्री नामक तकनीक का इस्तेमाल अपने अध्ययन में किया जिससे रोगी की प्रतिरक्षा कोशिकाओं का आकलन करने के लिहाज से कोशिकाओं के भौतिक और रासायनिक गुणों का पता लगाया जाता है।

कोरोना वायरस से निपटने को लेकर व्हाइट हाउस में अंदरुनी कलह सामने आई

वाशिंगटन।

व्हाइट हाउस के कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने को लेकर चल रही अंदरुनी कलह अब सामने आ गई है। व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने डॉ. एंथनी ने फाउची की तीखी आलोचना की जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुप रहे। देश के संक्रामक रोग के शीर्ष विशेषज्ञ फाउची ने इस आलोचना को ''बेतुका'' तथा ''थोड़ा विचित्र'' बताया है। लंबे समय से चल रही तनातनी तब बढ़ गई जब नवारो ने 'यूएसए टुडे' में फाउची को निशाना बनाते हुए लिखे संपादकीय में कहा, ''डॉक्टर हर चीज में गलत रहे हैं। मैंने उनसे बात की...इसलिए जब आप मुझसे पूछेंगे कि क्या मैं डॉ. फाउची की सलाह सुनूंगा तो मेरा जवाब होगा = केवल संशय और सतर्कता के साथ।'' 'द अटलांटिक' को दिए एक साक्षात्कार में फाउची ने जवाब दिया, ''मैं पीटर नवारो के बारे में नहीं बता सकता। वह अपनी खुद की दुनिया में गुम हैं इसलिए मैं वहां जाना भी नहीं चाहता।'' वहीं हाल के दिनों में फाउची की शिकायत करने ाले ट्रंप बीच-बचाव की स्थिति में आ गए हैं। ट्रंप ने अटलांटा जाने के लिए व्हाइट हाउस से रवाना होते समय पत्रकारों से कहा, ''नवारो ने अपना प्रतिनिधित्व करते हुए बयान दिया है। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।'' ट्रंप ने कहा कि उनके डॉ. फाउची के साथ अच्छे संबंध हैं और उनके कर्मचारी मिलकर काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि व्हाइट हाउस महामारी से निपटने को लेकर सवालों के घेरे में चल रहा है क्योंकि देश में संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं और राष्ट्रपति अपनी पुनः चुनाव की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए आर्थिक गतिविधि बहाल करने पर जोर दे रहे हैं। बहरहाल इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि ट्रंप इस झगड़े से खुश हैं क्योंकि उनका मानना है कि नवारो द्वारा फाउची की गलतियां बताने से उन्हें मदद मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने उत्तर कोरिया के साथ शिखर वार्ता की संभावना से किया इंकार

सियोल। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने देश में राष्ट्रपति चुनाव से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन के बीच एक और शिखर वार्ता की संभावना से इंकार करते हुए कहा कि कुछ ठोस परिणाम निकलने की वास्तविक संभावना होने पर ही ट्रंप इसके बारे में सोचेंगे। पोम्पिओ का बयान ऐसे समय में आया है जब उत्तर कोरिया ने हाल ही में कई बयानों में कहा कि वह ट्रंप के साथ कोई उच्च स्तरीय बैठक नहीं करेगा क्योंकि इसका इस्तेमाल वह अपनी विदेश नीति की सफलता का बखान करने के लिए करते हैं जबकि उन्हें इससे कोई फायदा नहीं मिलता। पोम्पिओ ने जून 2018 ट्रंप-किम शिखर वार्ता का जिक्र करते हुए कहा, '' उत्तर कोरिया ने मिले जुले संकेत दिए , जबकि सच यह है कि राष्ट्रपति ट्रंप तब ही किसी शिखर वार्ता के बारे में सोचेंगे अगर उन्हें लगेगा कि सिंगापुर में हासिल परिणामों की तरह कोई वास्तविक प्रगति मिल सकती है। ट्रम्प और किम ने 2018 में उच्च स्तरीय परमाणु कूटनीति शुरू करने के बाद से तीन बार मुलाकात की है। लेकिन पिछले साल फरवरी में दूसरी शिखर वार्ता के बाद से बातचीत कमजोर पड़ गई जहां अमेरिका ने परमाणु क्षमता कम करने के बदले प्रतिबंधों में बड़ी छूट की उत्तर कोरिया की मांग को खारिज कर दिया था। ठप पड़ी वार्ता के बीच, उत्तर कोरिया ने हाल के महीनों में बार-बार कहा है कि वह ट्रम्प के साथ तब तक उच्च स्तरीय बैठक नहीं करेगा जब तक कि उसे बदले में कुछ ठोस नहीं मिलता।

ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो दूसरी बार भी निकले कोरोना पॉजिटिव

ब्रासीलिया । ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो एक बार फिर कोरोना पॉजिटिव पाये गये हैं। श्री बोल्सोनारो इससे एक सप्ताह पहले भी कोविड-19 से संक्रमित पाये गये थे। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर खुद के कोरोना पॉजिटिव पाये जाने की जानकारी दी। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, हमें उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में वे लोग मेरी एक नयी जांच करेंगे। सबकुछ ठीक होगा और हम लोग सामान्य काम-काज पर लौट सकते हैं। राष्ट्रपति कार्यालय के संचार सचिवालय ने बताया कि श्री बोल्सोनारो राजधानी ब्रासीलिया स्थित अल्वोराडा पैलेस में हैं और उनके साथ चिकित्सकों की एक टीम है । सचिवालय के बयान में बताया गया कि नयी जांच मंगलवार को सुबह में की गयी थी, जिसके नतीजे बुधवार को आये। श्री बोल्सोनारों ने सात जुलाई को बुखार और घबराहट होने की शिकायत की थी, इसके बाद उन्हें सशस्त्र बलों के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वे कोरोना से पॉजिटिव पाये गये।

तुर्की में पुलिस का विमान दुर्घटनाग्रस्त, 7 की मौत

अंकारा। पुलिस बल का एक छोटा विमान पूर्वी तुर्की में पहाड़ी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सात पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। तुर्की के गृह मंत्री ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सुलेमान सोयलू ने संवाददाताओं को बताया कि बुधवार को विमान एक निगरानी एवं टोही अभियान से लौट रहा था। उसी दौरान ईरान की सीमा से लगते पूर्वी प्रांत वान की अरटोस पहाड़ियों में यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि वापसी में विमान रडार से ओझल हो गया था और तड़के तीन बजे इसका मलबा मिला। विमान के दो पायलटों समेत इस पर सवार सभी लोग पुलिस बल से थे। सोयलू ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

कोरोना को लेकर ट्रंप के सामने भिड़े व्हाइट हाउस के दो बड़े अधिकारी, चुपचाप सुनते रहे राष्ट्रपति

इंटरनेशनल डेस्क।

व्हाइट हाउस के कोरोना वायरस से निपटने को लेकर चल रही अंदरुनी कलह अब सामने आ गई है। व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने डॉ. एंथनी ने फाउची की तीखी आलोचना की जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुप रहे। देश के संक्रामक रोग के शीर्ष विशेषज्ञ फाउची ने इस आलोचना को 'बेतुका तथा 'थोड़ा विचित्र बताया है। लंबे समय से चल रही तनातनी तब बढ़ गई जब नवारो ने 'यूएसए टुडे में फाउची को निशाना बनाते हुए लिखे संपादकीय में कहा कि डॉक्टर हर चीज में गलत रहे हैं। मैंने उनसे बात की...इसलिए जब आप मुझसे पूछेंगे कि क्या मैं डॉ. फाउची की सलाह सुनूंगा तो मेरा जवाब होगा= केवल संशय और सतर्कता के साथ। 'द अटलांटिक को दिए एक साक्षात्कार में फाउची ने जवाब दिया, ''मैं पीटर नवारो के बारे में नहीं बता सकता। वह अपनी खुद की दुनिया में गुम हैं इसलिए मैं वहां जाना भी नहीं चाहता। वहीं हाल के दिनों में फाउची की शिकायत करने वाले ट्रंप बीच-बचाव की स्थिति में आ गए हैं। ट्रंप ने अटलांटा जाने के लिए व्हाइट हाउस से रवाना होते समय पत्रकारों से कहा कि नवारो ने अपना प्रतिनिधित्व करते हुए बयान दिया है। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि उनके डॉ. फाउची के साथ अच्छे संबंध हैं और उनके कर्मचारी मिलकर काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि व्हाइट हाउस महामारी से निपटने को लेकर सवालों के घेरे में चल रहा है क्योंकि देश में संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं और राष्ट्रपति अपनी पुनः चुनाव की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए आर्थिक गतिविधि बहाल करने पर जोर दे रहे हैं। मजबूत करने के लिए आर्थिक गतिविधि बहाल करने पर जोर दे रहे हैं। बहरहाल इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि ट्रंप इस झगड़े से खुश हैं क्योंकि उनका मानना है कि नवारो द्वारा फाउची की गलतियां बताने से उन्हें मदद मिलेगी।

9 महीने खोज के बाद पाकिस्तान के हाथ लगा बड़ा खजाना, तेल और गैस के मिले भंडार

पेशावर।

9 महीने की अथक खोज के बाद आखिर पाकिस्तान के हाथ बड़ा खजाना हाथ लग ही गया है। पाक को खैबर पख्तूनख्वा में ताल ब्लॉक तेल और गैस का नया भंडार मिला है। पाकिस्तान के एक प्रमुख के मुताबिक, इस नए भंडार के मिलने के बाद ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान की आयात पर निर्भरता में कमी आएगी और इससे पाकिस्तान का आयात पर होने वाला खर्च भी कम होगा। यह जानकारी पाकिस्तान ऑयलफील्ड्स लिमिटेड (पीओएल) ने मंगलवार को पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज को जारी किए नोटिफिकेशन में दी। तेल और गैस के कुएं के परीक्षण में पता चला है कि इसकी प्रतिदिन 3240 बैरल तेल और 16.12 मिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक फीट गैस उत्पादन की क्षमता है। पाकिस्तान में मार्च 2020 में प्रतिदिन 85000 बैरल तेल का उत्पादन किया गया। हालांकि, पाकिस्तान अपनी तेल जरूरतों का 80 फीसदी आयात के जरिए ही पूरा करता है। पाकिस्तान प्रतिदिन 4 अरब क्यूबिक फीट से कम गैस का उत्पादन करता है जबकि उसकी जरूरत 7 अरब क्यूबिक फुट की है। गैस की मांग को पूरा करने के लिए भी पाकिस्तान आयात पर निर्भर है। पाकिस्तान ब्यूरो ऑफ स्टैटिक्स (पीबीएस) के मुताबिक, पाकिस्तान अपनी ऊर्जा जरूरत को पूरा करने के लिए 9.8 अरब डॉलर का आयात करता है जो उसके कुल आयात का करीब एक-चौथाई हिस्सा है। पाकिस्तान ने पिछली जुलाई से मई महीने तक 40.86 अरब डॉलर का कुल आयात किया है। ब्रोकरेज हाउस के मुताबिक, मामीखेल साउथ-01 की खुदाई का काम अक्टूबर 2019 में शुरू किया गया था और 23 मई 2020 4939 मीटर की गहराई तक खुदाई की गई। उसके बाद हाइड्रोकार्बन डिपॉजिट का पता चला। करीब एक साल पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने पाकिस्तान में एशिया का सबसे बड़ा तेल भंडार मिलने की उम्मीद जताई थी। इमरान खान ने कहा था कि अगर ये विशाल भंडार पाकिस्तान में मिलता है तो देश की तकदीर बदल जाएगी। हालांकि, केकरा-1 फील्ड में 6000 फीट से भी ज्यादा गहराई तक खुदाई के बाद भी कोई तेल भंडार हाथ नहीं लगा था। पाकिस्तान के मिनिस्टर फॉर मैरीटाइम अफेयर्स ऐंड फॉरेन अफेयर्स अब्दुल्ला हुसैन हरून ने दावा किया था कि तेल के संभावित भंडार कुवैत के तेल भंडारों से भी ज्यादा बड़े होंगे। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अनुमान लगाया था कि पाकिस्तान के तेल भंडार 100 अरब बैरल के आंकड़े को पार कर सकते हैं। बता दें कि सऊदी अरब के पास अनुमानित प्रमाणित तेल भंडार 266 अरब बैरल्स है।

मार्च 2019 में पीएम इमरान खान ने कहा था कि वह जल्द ही देश के साथ एक अच्छी खबर साझा करेंगे। पाकिस्तानी पीएम ने अपने देशवासियों से अपील भी कर डाली थी कि वे प्रार्थना करें कि तेल भंडार को लेकर सारी उम्मीदें सच साबित हों।

फर्जी पायलट मामला : अमेरिका ने पाकिस्तान एयरलाइन की नई उड़ानों पर लगाई रोक

लॉस एंजलिस। फर्जी पायलट मामले में अमेरिका ने पाकिस्तान को झटका दिया है। इस बार पाकिस्तान एयरलाइन की नई उड़ानों पर रोक लगा दी है। अमेरिका ने पाक की विमानन प्रणाली की सुरक्षा रेटिंग कम कर दी जो पाकिस्तान एयरलाइन की अमेरिका में नई उड़ान सेवाओं को रोकेगी। पाकिस्तान में पायलट-लाइसेंस घोटाले के खुलासे के बाद अमेरिका ने बुधवार को यह कदम के बारे में घोषणा की है। इससे पहले यूरोपीय संघ ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस को कम से कम छह महीने के लिए यूरोप जाने पर प्रतिबंध लगाया है। हाल ही में खुलासा हुआ था कि पाकिस्तान के लगभग एक तिहाई पायलटों ने परीक्षा में धोखाधड़ी के जरिए देश के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण से लाइसेंस प्राप्त किए हैं। स्फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि उसने पाकिस्तान को एक तथाकथित श्रेणी-2 की रेटिंग में रखा है, जिसका मतलब है कि पाकिस्तान की एयरलाइंस अमेरिका के लिए नई उड़ानें शुरू नहीं कर सकती हैं। इसके अलावा, अमेरिकी एयरलाइंस पाकिस्तानी उड़ानों पर सीट नहीं बेच सकती हैं, कोड-साझाकरण नामक एक अभ्यास जो अन्य अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों के बीच आम है। वर्तमान में अमेरिका और पाकिस्तान के बीच कोई नियमित रूप से निर्धारित उड़ानें नहीं हैं। एफएए ने कहा कि पाकिस्तान की विमानन प्रणाली अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन संयुक्त राष्ट्र विमानन प्राधिकरण द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करती है। पाकिस्तान में पायलट लाइसेंस को लेकर घोटाला मई में कराची में हुए एक हादसे की जांच से उभरा जिसमें 97 लोग मारे गए। जांच ने निर्धारित किया ।

जियो का सस्ता स्मार्टफोन चीन के लिए खतरे की घंटी!

बिजनेस डेस्क।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल)के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने भारतीय बाजार में सस्ते स्मार्टफोन फोन लाने की पहले से तैयारियां कर और इसमें मदद के लिए दिग्गज कंपनियों को जियो प्लेटफॉर्म्स के मंच पर एक साथ लाकर यह ऐलान किया है जो भारतीय स्मार्टफोन बाजार में धाक जमाये बैठी चीनी कंपनियों के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। वर्तमान माहौल में जब गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच आए संबंधों के अत्यंत तनावपूर्ण होने से जियो का सस्ता स्मार्टफोन चीनी कंपनियों के लिए जबर्दस्त चुनौती साबित हो सकता है। गलवान घटना के बाद देश में चीन को लेकर बहुत गुस्सा है और चीनी सामान के बहिष्कार की मुहिम लोगों ने स्वत- स्फूर्त जगह-जगह चलाई हुई है। अंबानी ने बुधवार को रिलायंस की.43 वीं एजीएम में सोशल मीडिया की दिग्गज गूगल के जियो प्लेटफॉर्म्स में 33737 करोड़ रुपये में 7.73 प्रतिशत इक्विटी देने के साथ ही भारतीय दूरसंचार क्षेत्र को 2जी मुक्त कराने और 4जी और 5जी सस्ते स्मार्टफोन फोन उतारने की भी घोषणा की। अंबानी ने अगले तीन वर्ष में रिलायंस जियो के उपभोक्ताओं को पचास करोड़ पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अब सस्ता स्मार्टफोन लाकर अंबानी की नजर 35 करोड 2जी उपभोक्ताओं में से ज्यादा से ज्यादा को जियो के पाले में लाने पर होगी। अंबानी की इस घोषणा के पीछे काफी समय से बन रही रणनीति और इसी के तहत जियो प्लेटफॉर्म्स में अपने अपने क्षेत्र की दिग्गजों को साझीदार के तौर पर लाया गया है। मसलन क्वालकॉम और इंटेल सेमीकंडक्टर या चिप बनाने के महारथी हैं तो गूगल के साथ मिलकर ऑपरेटिंग सिस्टम यानी (ओएस) विकसित किया जा जायेगा। जियो स्वयं एप्स के मामले में आत्मनिर्भर है और फेसबुक के साथ आने से व्हाट्सएप और फेसबुक सरीखे एप भी उसकी पकड़ में आ गए है। जियो फोन बनाने की निपुणता पहले से ही रिलायंस के पास है। इन सबके एक साथ आ जाने से जियो बहुत आसानी से एक सस्ता 4जी 5जी स्मार्टफोन बाजार में ला सकेगा, इसमें कोई शंका नहीं रह जाती क्योंकि सभी एक साथ है तो मुनाफा अलग अलग न बंटकर एक जगह आएगा जिससे लागत कम रहेगी और आसानी से भी किसी को टक्कर दी जा सकेगी। रिसर्च फर्म काउंटरपॉइंट की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 की पहली तिमाही यानी जनवरी से मार्च के बीच भारतीय स्मार्टफोन मार्केट में चीनी कंपनियों की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से भी ज्यादा है।

यानी 100 में 70 लोगों के पास चीन के स्मार्टफोन हैं। देश के टॉप-5 स्मार्टफोन ब्रांड में से चार चीन के हैं। सबसे ज्यादा 30 प्रतिशत मार्केट शेयर शाओमी का है, दूसरे नंबर पर 17 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ वीवो है। पहली पांच कंपनियों में सिर्फ सैमसंग है, जो कि दक्षिण कोरियाई कंपनी है। सैमसंग की बाजार हिस्सेदारी भारत में 16 प्रतिशत है। भारत का स्मार्टफोन मार्केट करीब दो लाख करोड़ रुपए का है। इसमें से ज्यादातर हिस्सेदारी चीनी कंपनियों की है। अंबानी ने सस्ते स्मार्टफोन फोन के साथ ही स्वदेश में विकसित जियो की संपूर्ण 5जी सोल्यूशन की रूपरेखा के साथ देश में विश्व स्तर की 5जी सेवा शुरु करने में का भी ऐलान किया है। यह भी चीन के लिये खतरे की घंटी है। उन्होंने कहा कि जैसे ही 5जी स्पेक्ट्रम उपलब्ध होगा, इसका परीक्षण कर अगले वर्ष तक फील्ड में देने के लिये तैयार किया जा सकेगा। अध्यक्ष ने कहा कि एक बार देश में 5जी सोल्यूशन की मांग को पूरा करने के बाद इसे हम दूरसंचार क्षेत्र की विश्व की अन्य कंपनियों को भी निर्यात करेंगे।

कंपनी में शेयर को लेकर ट्यूनीशिया के प्रधानमंत्री ने दिया इस्तीफा

ट्यूनिस। ट्यूनीशिया के प्रधानमंत्री ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल प्रधानमंत्री का एक कचरा निस्तारण कंपनी में शेयर था और उसी कंपनी को एक करोड़ 50 लाख यूरो का सरकारी ठेका भी हासिल हुआ। प्रधानमंत्री इलियास फाखफाख के कंपनी में शेयर होने की बात सामने आने के बाद कई हफ्तों तक राजनीतिक खींचतान चली। देश में राजनीतिक तनाव ऐसे समय में उपजा है जब कोरोना वायरस महामारी और उसकी वजह से लगाए गए लॉकडाउन के बाद देश गहरे आर्थिक और सामाजिक संकटों का सामना कर रहा है। एक सरकारी बयान में बताया गया कि उन्होंने राष्ट्र हित को ध्यान में रखते हुए और देश के लिए कठिनाइयां नहीं पैदा करने के लिहाज से इस्तीफा दिया है ताकि संकट से उबरने के लिए एक नया रास्ता खोला जा सके। उन्होंने पद में रहते हुए कंपनी में शेयर होने की बात स्वीकार तो कर ली लेकिन उनका कहना है कि उन्होंने किसी तीसरे पक्ष को अपना शेयर बेच दिया था। इस संबंध में कई जांच चल रही हैं। फाखफाख का प्रधानमंत्री के पद से हटना इस्लामिक पार्टी इनाहदाहा के लिए जीत है। प्रधानमंत्री का इस पार्टी से टकराव था क्योंकि वह एक सहयोगी पार्टी को सरकार विस्तार में जगह देने से इनकार कर रहे थे। फाखफाख ने कहा कि जब तक प्रधानमंत्री के लिए नया नाम तय नहीं कर लिया जाता है तब तक वह काम करते रहेंगे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मास्क नहीं पहनने पर पिता-पुत्र की बुरी तरह पिटाई करने पर 4 पुलिसकर्मी सस्पैंड

क्रांति समय सुरत जामनगर (एजेसी) दो दिन पहले जामनगर के कालावड में मास्क नहीं पहनने पर पिता–पुत्र की बुरी तरह से पिटाई करने वाले चार पुलिसकर्मियों को पुलिस अधीक्षक ने सस्पैंड कर दिया गया है।

पुलिस उपाधीक्षक पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक दो दिन पहले जामनगर के कालावड के मूलिला गेट पर के निकट कपड़े की दुकान का मालिक निशांत घनश्याम उदेशी ने मास्क नहीं पहना थां ।

उस वक्त गश्त पर निकले कालावड पुलिस थाने के दो कर्मचारियों ने निशांत को बगैर मास्क देख लिया और मास्क नहीं पहनने की वजह पूछीं इस बात को लेकर निशांत और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी बहस हुईं। बाद में पुलिस युवक को थाने ले गई और अधिसूचना का उल्लंघन करने का मामला दर्ज कर लिया। निशांत के पिता को भी पुलिस थाने बुला लिया और उनके साथ भी पुलिस की कहासुनी हुई। उस दौरान पुलिस ने पिता–पुत्र की इस कदर पिटाई की कि दोनों के शरीर पर निशान पड़ गए।

मामूली बात पर पिता–पुत्र की बर्बर पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया वायरल होने के बाद जामनगर के पुलिस अधीक्षक कालावड पहुंच गए हे। कांस्टेबल भरतसिंह क्योर समेत तीन एलआरडी जवान वासुदेवसिंह, अशोकसिंह और निकुल को सस्पैंड कर दिया और चारों के खिलाफ 323 व 114 के तहत मामला दर्ज कर पुलिस उपाधीक्षक को जांच सौंप दीं।

बता दें कि कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकनेके लिए केन्द्र सरकार ने मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया हैं ।गुजरात सरकार ने बगैर मास्क बाहर निकलने पर 200 रुपए जुर्माने का प्रावधान किया हैं ।जुर्माना वसूलने का अधिकार पुलिस को दिया है।

स्टेट मोनिटरिंग सेल का बेगमपुरा में छापा 100 से ज्यादा जुआरी धरे गए

क्रांति समय सुरत

सूरत , गांधीनगर स्टेट मोनिटरिंग सेल ने स्थानीय पुलिस ने साथ मिलकर सूरत के बेगमपुरा क्षेत्र में चल रहे जुए के अड्डे पर छापा मारकर 100 से ज्यादा जुआरियों को धरदबोचा। रेड के दौरान जुए के अड्डे का संचालक आसिफ गांडा समेत दो लोग मौके से फरार हो गए। के अड्डे पर छापा मारां । दो मंजिला वातानुकूलित जुए अड्डे पर शटर बंद कर जुआ खेला जाता था। ताकि किसी को भनक न लगे कि भीतर क्या हो रहा है। शटर तोड़ने के बाद पुलिस के अंदर घुसते ही जुआरियों में भगदड़ मच गई। पुलिस ने जुआ खेलते 100 से ज्यादा लोगों रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के मुताबिक सूरत के बेगमपुरा क्षेत्र के तुलसी मुहल्ले में काफी समय से जुए का अड्डा चल रहा था । जिसकी भनक लगते ही गांधीनगर स्टेट मोनिटरिंग सेल ने स्थानीय पुलिस की मदद से जुए

कोरोना महामारी के बीच इतनी बड़ी संख्या में बेखौफ होकर जुआ खेल रहे थे। रेड के दौरान अड्डे का संचालक आरिफ गांडा समेत दो लोग मौके से भागने में सफल हो गए।

सुरत मनपा द्वारा लाउड स्पीकर से लोगों को स्वैच्छिक बंद रखने के लिए दुकानदारों से अपील मनपा अधिकारी मैदान में

सूरत।शहर में कोविड–19 की परिस्थिति दिन प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है.सरकार के आदेश के बाद लगाए गए लोकडाउन में हालात ठीक थे,

लेकिन अनलॉक में छूटछाट मिलने के साथ ही स्थिति ऐसी बिगड़ने लगी है की अब प्रसाशन द्वारा दुकानदारों से स्वैच्छिक बंद रखने के लिए अपील की जा रही है.

मिली जानकारी के मुताबिक मनपा के उधना जॉन के अधिकारियों ने उधना,पांडेसरा क्षेत्र में जाकर सभी दुकानदारों से सात दिनों के लिए स्वैछा से अपनी अपनी दुकाने बंद रखने के लिए अपील की किया, इतना ही नहीं

अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा कोरोना की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए लाउड स्पीकर लेकर दुकानदारों से सात दिनों के लिए बंद रखने की अपील की गई,

जबकि मेडिकल और अनाज–किराना सहित आवश्यक वस्तुओ की दुकानदारों से सावधानी और सोश्यल डिस्टेंसिंग का पालन करके दुकाने चालु रखने के लिए सुचना दी गई है.

साथ में सुबह के कुछ समय के लिए यह सेवा उपलब्ध करने के लिए सूचना भी दिया गया.

मनपा का किसका आशीर्वाद ?
सेटिंग ? परमीशन ? या फिर ?

कोरोना से होनेवाली मौत के आंकड़ों को लेकर हुआ था विवाद। मिडिया को किया प्रतिबंध स्मशान गृह के प्रवेश पर

मनपा द्वारा स्मशान गृह के बाहर सिक्युरिटी गार्ड तैनात किये गए.

सूरत। शहर के अश्विनीकुमार स्मशान गृह में पहले तो सिक्युरिटी गार्ड को अचानक देखकर लोग विचार में पड़ गए.लेकिन बाद में पता चला की मनपा द्वारा यहां पर सिक्युरिटी गार्ड तैनात किये गए है.कोरोना से होनेवाली मौत के आंकड़ों को लेकर हुए विवाद के बाद यह कदम उठाया गया है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक़ मनपा द्वारा श्मशानगृह में सिक्युरिटी गार्ड तैनात किये गए है.वर्तमान परिस्थति के अनुसार शहर में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने के साथ मौत भी हो रही है.लेकिन मनपा द्वारा मरनेवालो के जारी किये जा रहे आंकड़े और एकता ट्रस्ट तथा कोविड की गाइड लाइन के आधार पर स्मशान गृह में होनेवाली अंतिम विधि के आंकड़ों के बिच बड़ा अंतर् नजर आ रहा होने का विवाद उठा है.इस मुद्दे को लेकर कलक्टर कार्यलय में एक पत्रकार परिषद का आयोजन भी किया गया,जिसमे एकता ट्रस्ट और स्मशान गृह के बिच असमंजस होने की बात कही थी.इसके अलावा कोरोना से मौत हुई है या नहीं।

ये तय करने के लिए एक कमिटी बनाई गई है,वही दूसरी तरफ मनपा द्वारा स्मशान गृह के बाहर सिक्युरिटी गार्ड तैनात किये गए है.जहा मीडिया के प्रवेश पर भी रोक लगाने की जानकारी सामने आई है.

Get Instant Car Insurance

Call 9879141480

Car insurance is a concept through which you can safeguard your money in case of damage to your car.

Get Instant Health Insurance

Call 9879141480

Financial coverage for medical expenses, in case of a medical emergency.

कोरोना से होनेवाली मौत के मामले में मुआवजे की मांग करती याचिका हाईकोर्ट में दाखिल

अहमदाबाद (एजेसी)द्य गुजरात हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई है, जिसमें मांग की गई कि कोरोना से मौत के मामले में मुआवजा देने का सरकार को आदेश दिया जाए। याचिका में कहा गया है कि डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट 2005 की धारा 11/12 और 46 से 50 में निर्दिष्ट प्रावधान के तहत मुआवजे के बारे में नीति बनाई जाए और कोरोना से मारे गए लोगों के परिजनों को सरकार की ओर से मुआवजा दिया जाए। जनहित याचिका में उल्लेख किया गया है कि कोरोना वायरस में कई परिवारों ने घर का मुखिया गंवा दिया है, ऐसे परिवार को आर्थिक मदद दी जानी चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कोरोना को महामारी घोषित किया हैं याचिका में लोकपाल की नियुक्ति कर लोगों को मुआवजे का भुगतान किए जाने की मांग की गई हैं। हांलाकि इस जनहित याचिका पर हाईकोर्ट क्या फैसला करती है, आनेवाला समय ही बताएगां।इस जनहित याचिका को लेकर सवाल भी उठाए जा रहे हैं कि कोरोना से मौत के मामले में सरकार से मुआवजा मांगना कितना उचित है? जबकि सरकार कोरोना मरीजों का मुफ्त उपचार कर रही हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)